हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 38 ■ नई दिल्ली 17 से 23 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा विपक्ष

हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे और नीट यूजी पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की मांग पर अड़े विपक्ष ने लगातार चौथे दिन गुरुवार को भी राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया जिसके कारण तीन बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी।

संसद के मानसून सत्र के चार दिन बीत गये हैं और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच इस मुद्दे पर गतिरोध के बरकरार रहने से पहले चार दिन की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ गयी। तीन बजे जब सदन दोबारा समवेत हुआ तो उप सभापति हरिवंश ने कहा कि नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन कुछ बोलना चाहते हैं। इस पर श्री खरगे ने कुछ लिखित पंक्तियां पढते हुए कहा , " देश को जिंदा रखने के लिए भले ही मर जायेंगे, ये दिल और ये जान सब कुर्बान कर जायेंगे मगर देश से अन्याय मिटाने के लिए हर चुनौती से टकरा जायेंगे, कुछ ही देर की खामोशी है .... उनकी बात पूरी भी नहीं हो पायी थी कि उप सभापति ने कहा कि संसदीय मंत्री कुछ कहना चाहते हैं। संसदीय मंत्री किरेण रिजिजू ने कहा कि नेता विपक्ष सदन चलाने और चर्चा की बात नहीं कर रहे वह कुछ लिखकर लाये हैं और चर्चा का विरोध कर रहे हैं। उनके इतना कहते ही विपक्ष के सदस्यों ने जोर-जोर से बोलना शुरू कर दिया। इधर सत्ता पक्ष के लोगों ने भी इसका जवाब दिया और सदन में अव्यवस्था की स्थिति बनते देख उपसभापति ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले इसी मुद्दे पर कार्यवाही पहले 12 बजे और फिर दो बजे तक स्थगित की गयी।

श्री प्रधान के इस्तीफे तथा नीट के मुद्दे पर सरकार तथा विपक्ष के अपने-अपने रुख पर अड़े रहने के कारण सदन में पिछले चार दिन से गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। विपक्ष शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़िग है और उसका स्पष्ट कहना है कि इस्तीफे के बिना चर्चा शुरू नहीं होगी वहीं सत्ता पक्ष श्री प्रधान के इस्तीफे पर चुप्पी साधे हुए है और उसका कहना है कि वह नीट से संबंधित हर मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए तैयार है तथा विपक्ष को भी चर्चा के लिए तैयार होना चाहिए। इस गतिरोध के चलते मानसून सत्र के पहले चार दिन सदन में कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका तथा कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ गयी।

राजग नीट पर संसद में चर्चा के लिए तैयार, कांग्रेस बहस से भाग रही है: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद को लेकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन कांग्रेस और पूरा विपक्ष बहस से बच रहा है। भाजपा की यह प्रतिक्रिया लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस आरोप के बाद आई, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने और देश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद होने देने का आरोप लगाया था। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर संसद परिसर में बृहस्पतिवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों ने आमने-सामने प्रदर्शन किया। दोनों पक्ष संसद के मकर द्वार के बाहर एकत्र हुए और एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे संसद के दोनों सदनों में आज भी गतिरोध बने रहने के संकेत मिले। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी और विपक्ष पर छात्रों एवं युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा से बचने का आरोप लगाते हुए कहा कि बहस होने पर उनका 'दोहरा रवैया' उजागर हो जाएगा।

विपक्ष का उद्देश्य छात्र हितों की रक्षा नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ लेना है: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के दौरान नीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर सियासी घमासान लगातार जारी है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं और सांसदों ने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन विपक्ष चर्चा से बच रहा है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए युवाओं की आकांक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संसद में व्यापक चर्चा चाहती है, लेकिन विपक्ष बार-बार अपना रुख बदल रहा है। पहले विपक्ष चर्चा की मांग करता है, फिर अलग नियम के तहत चर्चा की बात करता है और जब सरकार हर शर्त मानने को तैयार हो जाती है, तब भी विपक्ष चर्चा नहीं करता क्योंकि विपक्ष को यह डर है कि यदि सदन में बहस होगी तो उसके पुराने रिकॉर्ड और भूमिका पर भी सवाल उठेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि छात्रों के कल्याण से बढ़कर सरकार के लिए कोई विषय नहीं है। पेपर लीक जैसे अपराध में शामिल लोगों के

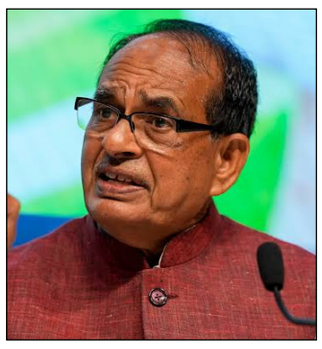

खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए मुकदमा चलाया जाएगा और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि उसका उद्देश्य छात्रों के हितों की रक्षा नहीं, बल्कि केवल राजनीतिक लाभ हासिल करना और अराजकता फैलाना है।

इस बीच भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) एक स्वायत्त संस्था है। यदि उसके कामकाज में किसी प्रकार की कमी सामने आती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठे, उनके खिलाफ कदम उठाए गए और परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाने के लिए भी आवश्यक सुधार किए गए।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरकार ने युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए पेपर लीक मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था का भी फैसला किया है ताकि दोषियों को जल्द सजा मिल सके।

उन्होंने कहा, अगर आप कुल मिलाकर देखें, तो युवा क्या चाहते हैं? एक पारदर्शी सिस्टम, एक फूलप्रूफ सिस्टम, एक लीक-प्रूफ सिस्टम और जो लोग सदियों या सालों से सिस्टम का गलत फायदा उठा रहे थे और पेपर लीक मामलों में शामिल थे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई और सजा का इंतजाम किया गया है। यह पक्का करने के लिए कि दोषियों के खिलाफ सख्त और तुरंत कार्रवाई हो और उन्हें सजा मिले–क्या कांग्रेस नहीं चाहती कि दोषियों को सजा मिले? क्या कांग्रेस नहीं चाहती कि युवाओं को न्याय मिले? असल में कांग्रेस क्या चाहती है? कांग्रेस इसका राजनीतिकरण करना चाहती है।

वहीं, भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा दोनों ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सरकार इस विषय पर जितनी देर तक विपक्ष चाहे, उतनी देर तक चर्चा के लिए तैयार है। इसके बावजूद विपक्ष लगातार हंगामा कर संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है।

मुर्मु का रोमानियाई कंपनियों से भारत की विकास यात्रा में शामिल होने का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रोमानियाई कंपनियों से भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा है कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में बढ़ रहे भारत की यात्रा में अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए अपार संभावनाएं हैं। तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में रोमानिया पहुंची श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को बुखारेस्ट में रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान के

साथ भारत-रोमानिया बिजनेस फोरम को संबोधित किया । उन्होंने दोनों देशों के सरकारी प्रतिनिधियों और उद्योग जगत के नेताओं से कहा कि रणनीतिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन, उन्नत औद्योगिक क्षमताओं और यूरोपीय संघ के साथ मजबूत एकीकरण के कारण रोमानिया भारत का एक स्वाभाविक और मूल्यवान साझेदार है। उन्होंने कहा कि व्यापार और आर्थिक सहयोग दोनों देशों की समकालीन साझेदारी का प्रमुख आधार हैं और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का शीघ्र और प्रभावी क्रियान्वयन व्यापार एकीकरण को गहरा करेगा।

पासपोर्ट और नागरिकता पर केंद्र सरकार का रुख विरोधाभासी: जॉन ब्रिटास

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सदस्य डॉ. जॉन ब्रिटास ने आरोप लगाया है कि भारतीय पासपोर्ट और नागरिकता के मुद्दे पर केंद्र सरकार का रुख परस्पर विरोधाभासी है। उन्होंने कहा कि संसद में दिए गए सरकार के जवाब से स्पष्ट होता है कि पासपोर्ट की कानूनी प्रकृति में कोई बदलाव नहीं हुआ, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप केवल शब्दावली बदली गई है।

डॉ. ब्रिटास ने राज्यसभा में भारतीय पासपोर्ट द्वारा नागरिकता की मान्यता से जुड़े प्रश्न के उत्तर का हवाला देते हुए कहा कि सरकार ने इस बात से इनकार नहीं किया कि

पुराने भारतीय पासपोर्ट पर स्पष्ट रूप से सिटीजन ऑफ इंडिया (भारत का नागरिक) लिखा होता था। सरकार ने अपने जवाब में कहा कि आईसीएओ के मशीन-पठनीय पासपोर्ट मानकों को अपनाने के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रारूप के अनुरूप नेशनलिटी शब्द का उपयोग शुरू किया गया।

ब्रिटास ने कहा कि सरकार का यह जवाब स्वयं स्वीकार करता है कि बदलाव केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शब्दों का था, न कि पासपोर्ट की कानूनी हैसियत का। ऐसे में यह कहना कि भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है। सरकार के अपने ही स्पष्टीकरण से मेल नहीं खाता।

उन्होंने कहा कि जब भी नागरिकता से जुड़े विवाद सामने आते हैं, सरकार यह तर्क देती है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, जबकि संसद में दिए गए उत्तर से स्पष्ट है कि सिटीजन ऑफ इंडिया की जगह केवल नेशनलिटी शब्द का इस्तेमाल किया गया और इससे पासपोर्ट की कानूनी स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ।

डॉ. ब्रिटास ने कहा कि उन्होंने सरकार से यह भी पूछा था कि क्या मतदाता सूची से नाम हटाए जाने या किसी अन्य प्रशासनिक कार्रवाई के आधार पर किसी मौजूदा पासपोर्ट धारक की नागरिकता पर सवाल उठाया जा सकता है या उसका पासपोर्ट नवीनीकरण रोका जा सकता है।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन ने तय किया 1,200 किलोमीटर का सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन, जो 10-कोच मॉडल है और संचालन के दौरान केवल जलवाष्प उत्सर्जित करती है, ने सफलतापूर्वक 1,200 किलोमीटर से अधिक का सफर तय किया है। इस दौरान 3,200 लीटर से अधिक डीजल की बचत हुई। यह जानकारी रेलवे मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी।

रेलवे मंत्रालय के अनुसार, हाइड्रोजन ट्रेन में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक प्रक्रिया से ट्रेन के भीतर ही बिजली पैदा होती है। इस प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है।

मंत्रालय ने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया धुएं से मुक्त है और इसमें टेलपाइप कार्बन उत्सर्जन शून्य

होता है। यही वजह है कि इसे वर्तमान समय की सबसे स्वच्छ रेल प्रोपल्शन तकनीक माना जा रहा है।

इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार हैं, जो कुल 2,400 किलोवाट की शक्ति प्रदान करती हैं। इन्हें लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों और हाइड्रोजन सिलेंडरों का भी समर्थन प्राप्त है।

ट्रेन के लिए ग्रीन हाइड्रोजन को 500 बार तक के दबाव पर संग्रहित किया गया है, जबकि 350 बार के दबाव पर इसकी आपूर्ति की जाती है। कुल मिलाकर इसमें लगभग 3,000 किलोग्राम हाइड्रोजन संग्रहित करने की क्षमता है। रेलवे मंत्रालय ने बताया कि ट्रेन में कई स्वतंत्र सुरक्षा प्रणालियां लगाई गई हैं, जो गैस रिसाव, अत्यधिक गर्मी, आग और धुएं का तुरंत पता लगा सकती हैं। इनके साथ ऑटोमैटिक शट-ऑफ सिस्टम, लगातार वेंटिलेशन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन और सभी आवश्यक तकनीकी परीक्षण भी सुनिश्चित किए गए हैं।

बयान के अनुसार, जींद और सोनीपत के बीच सफल संचालन के बाद अब जल्द ही इस ट्रेन का दिल्ली रूट पर भी ट्रायल शुरू किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा कि भारत की हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन ने देश में स्वदेशी हाइड्रोजन रेल इकोसिस्टम की नींव रखी है और यह टिकाऊ, शून्य-उत्सर्जन रेल परिवहन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इससे भविष्य में इस तकनीक के विस्तार और स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व का रास्ता भी खुलेगा।

भारत-यूएई जेसीसीए की 7वीं बैठक संपन्न

भारतीय समुदाय के कल्याण और दस्तावेज सत्यापन पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच संयुक्त कांसुलर मामलों की समिति (जेसीसीए) की 7वीं बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की सचिव (सीपीवी एवं ओआईए) श्रीप्रिया रंगनाथन और यूएई विदेश मंत्रालय के अंडरसेक्रेटरी उमर ओबैद मोहम्मद अल हसन अलशम्सी ने की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इसे लेकर एक बयान जारी किया। बताया कि बुधवार (22 जुलाई) को हुई बैठक में दोनों देशों ने कांसुलर मामलों, श्रम एवं आवागमन से जुड़े मुद्दों, वीजा

केंद्रों, कानूनी सहयोग और दोनों देशों में रह रहे नागरिकों के कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

भारत और यूएई के संबंध आर्थिक, राजनीतिक, रक्षा, प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में लगातार मजबूत हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच संबंधों की एक महत्वपूर्ण आधारशिला यूएई में रहने वाला लगभग 45 लाख भारतीय समुदाय है, जो दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के जुड़ाव को और मजबूत करता है। दोनों पक्षों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद के नेतृत्व में द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की सराहना की। जेसीसीए बैठक से पहले दोनों देशों के अधिकारियों के बीच कांसुलर मामलों, श्रम एवं मोबिलिटी संबंधी मुद्दों के अलावा प्रत्यर्पण और पारस्परिक कानूनी सहायता पर तकनीकी स्तर की चर्चा हुई।

इसके अलावा, भारत के डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म को यूएई के संबंधित प्लेटफॉर्म से जोड़ने की दिशा में अलग बैठक आयोजित की गई। इसका उद्देश्य भारतीय शैक्षणिक डिग्री और अन्य दस्तावेजों के आसान एवं सुरक्षित सत्यापन की व्यवस्था बनाना है।

संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह हुई आयोजित

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का जिला मुख्यालय कोटपूतली पर जिलाध्यक्ष इन्द्राज गुर्जर की अध्यक्षता व प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं जिला प्रभारी राजपाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में शपथ ग्रहण समारोह एवं संगठनात्मक मुद्दों पर विचार-विमर्श हेतु बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन की मजबूती, आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, जनहित से जुड़े मुद्दों तथा बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष इन्द्राज गुर्जर ने नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि आज देश में संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जहाँ कांग्रेस सरकारों में जनता को जंतर-मंतर और रामलीला मैदान पर आवाज उठाने की खुली आजादी थी। आज इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि किसानों को दिल्ली में घुसने नहीं दिया जाता, देश का नाम रोशन करने वाली महिला खिलाड़ियों को घसीट कर जंतर-मंतर से हटाया जाता है और अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक जैसे समाज सेवियों को घसीट कर उठा दिया जाता है।

प्रजातंत्र में हर नागरिक को अपने हकों के लिए आवाज उठाने और शांतिपूर्वक लड़ने का अधिकार है, लेकिन आज भाजपा की तानाशाही फासिस्ट सरकार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबाया जा रहा है। जनता के हकों के लिए लड़ने वाले लोगों को डराया, धमकाया दबाया जाता है जो तानाशाही का सबसे बड़ा प्रमाण है। कांग्रेस इस दमन के खिलाफ पूरी ताकत और मजबूती से खड़ी है। जिलाध्यक्ष इन्द्राज गुर्जर ने कार्यकारिणी के सभी सदस्यों से आह्वान किया कि हमें कांग्रेस की रीति नीति और सिद्धांतों को दूर दराज के गांव-गांव व ढ़ाणियों तक पहुंचाना हैं। मोदी सरकार में पेपर लीक और परीक्षा में धांधली से छात्रों का भविष्य तबाह हो रहा है।

शर्म की बात है आज भाजपा की डबल ईंजन की सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ और रोजगार के अधिकार को व्यापार बना दिया है। अब युवा जाग चुका है। इस नाकारा सिस्टम को बदलकर ही रहेगा। मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं जिला प्रभारी राजपाल शर्मा ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। संगठन की नवगठित जिला कांग्रेस कार्यकारिणी में सभी वर्गों के जुझारू, संघर्षशील, अनुभवी, ईमानदार और पढ़े-लिखे शिक्षित युवाओं प्रतिनिधित्व मिला हैं। उन्होंने कहा कि हमें आपसी छोटे मोटे मन भेद भुलाकर मिलजुल कर कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करना हैं। संचालन जिला प्रवक्ता वी.के. नवल व राजेश यादव ने किया। समारोह में पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, मुण्डावर विधायक ललित यादव, पूर्व विधायक महिपाल यादव, पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, बहरोड़ से कांग्रेस विधायक प्रत्याशी रहे संजय यादव, डॉ. आर सी यादव, श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व सदस्य गोपाल कृष्ण कौशिक, पूर्व चेयरमैन उर्मिला योगी, जिला सहप्रभारी सरलेश सिंह राणा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनिवास यादव, पीसीसी सचिव जगदीश मीणा, पूर्व चेयरमैन प्रकाश चंद सैनी, प्रदेश महिला कांग्रेस सचिव कविता टोरड़ा, विजय यादव, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र पारीक, सेवादल जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह यादव, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेष महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा, एससी विभाग जिलाध्यक्ष तारा पूतली, अल्पसंख्यक विभाग जिलाध्यक्ष मुन्नानुदीन कुरैशी, जगदीश मीणा, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष अशोक मुद्गल नीमराना, हनुमान सैनी, डॉ. महेश यादव, राजेन्द्र यादव, एड. योगेश शरण बंसल, छोटेलाल सामरिया, सरपंच लक्ष्मण रावत, अंजना यादव, प्रदीप यादव, डॉ धर्मपाल रावत, मेहरसिंह धनकड़, मातादीन गुर्जर, वीरेन्द्र सैन, शैतान मीणा, जयराम पुनिया, रमेश जिंदल, प्रदीप गुर्जर, धर्मवीर रेवाड़िया, जिला प्रवक्ता राजेश यादव, मीडिया प्रभारी रामस्वरूप मुक्कड़ समेत बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

नवनियुक्त थाना प्रभारी ने शांति समिति संग की बैठक, पुलिस-जन सहयोग पर हुई चर्चा

मनोज कुमार खटीक

राजस्थानः डूंगरपुर जिले के चितरी थाना क्षेत्र में नवनियुक्त थाना प्रभारी रमेश मीणा ने कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से सीएलजी (कम्युनिटी लायजन ग्रुप) एवं शांति समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों ने भाग लेकर कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा पुलिस-जन सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान थाना प्रभारी रमेश मीणा ने उपस्थित सदस्यों से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर सुझाव मांगे। उन्होंने गलियाकोट पुलिस चौकी और जसेला पुलिस चौकी के प्रभारियों से क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है और इसके लिए जनता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में समाजसेवी मनोज सामरिया ने चितरी थाना पुलिस के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था संतोषजनक है। उन्होंने बड़गी चौराहे पर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए वहां तैनात हेड कांस्टेबल सुरेश पाटीदार के साथ दो अतिरिक्त पुलिस कांस्टेबलों की नियुक्ति की मांग भी रखी, ताकि क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था और अधिक प्रभावी हो सके।

इस अवसर पर उपप्रधान कमलाबाई, मुस्लिम समाज के सदर रईश भाई शेख, नायब सदर इस्माइल भाई, भवानी भोई, नरेंद्र सिंह, लक्ष्मण डेडोर, गिरवर सिंह, एएसआई रमण, मानवाधिकार आयोग की जिला अध्यक्ष मयूरी रावल, भूरालाल प्रजापत, मुकेश पाटीदार, समद शेख, गलियाकोट चौकी प्रभारी लोकेन्द्र सिंह, अरविंद लबाना, हरेंद्र सिंह सहित सीएलजी एवं शांति समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने क्षेत्र में आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने का संकल्प लिया। थाना प्रभारी रमेश मीणा ने कहा कि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और कानून का सख्ती से पालन पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने आमजन से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की, ताकि क्षेत्र में सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखा जा सके।

सीएम ग्रिड फेज-2 परियोजना का नगरायुक्त ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्ध कार्य पर दिया जोर

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः नगरायुक्त शिपू गिरि ने सीएम ग्रिड फेज-2 योजना के अंतर्गत हकीकत नगर में चल रहे सड़क निर्माण, उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय तथा प्रस्तावित वेरिएशन और डेविएशन का विस्तृत परीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को श्रमिकों की संख्या तथा अन्य आवश्यक संसाधन बढ़ाकर निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। नगरायुक्त ने कहा कि परियोजना से जुड़े सभी निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य से संबंधित वेरिएशन और डेविएशन स्टेटमेंट हर हाल में शनिवार तक तैयार कर सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट तैयार करने से पहले प्रोजेक्ट कंसलटेंट्स को अनिवार्य रूप से मौके पर बुलाकर संयुक्त निरीक्षण कराया जाए, ताकि प्रत्येक कार्य मद का बिंदुवार परीक्षण कर अंतिम रिपोर्ट तैयार की जा सके।

निरीक्षण के दौरान नगरायुक्त ने जलकल विभाग से भी स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने कहा कि यदि पहले यह बताया गया था कि परियोजना में अतिरिक्त सीवर कार्य की आवश्यकता नहीं है, तो अब निर्माण के दौरान अतिरिक्त सीवर कार्य की जरूरत किन परिस्थितियों में उत्पन्न हुई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तकनीकी औचित्य और अभिलेखीय तथ्यों के साथ विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। नगरायुक्त शिपू गिरि ने भविष्य की परियोजनाओं के लिए भी महत्वपूर्ण निर्देश जारी करते हुए कहा कि किसी भी विकास परियोजना को अंतिम स्वीकृति देने से पहले उसका त्रिस्तरीय निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। इससे कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी और बाद में किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (निर्माण) सुरेंद्र प्रसाद मिश्र, सहायक अभियंता मदनपाल, अवर अभियंता अनुज कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। नगरायुक्त ने सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए परियोजना को समय पर पूरा करने और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए।

एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में HAL कर्मचारी की हुई मौत, अज्ञात ट्रक चालक पर हुआ केस दर्ज

सूरज कुमार

उत्तर प्रदेशः उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के एक कर्मचारी की मौत हो गई। हादसा हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के मियागंज के पास हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) में कार्यरत असिस्टेंट अकाउंट ऑफिसर अंकित के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह लखनऊ से अपने पैतृक गांव जा रहे थे। इसी दौरान लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, अंकित अपनी कार से सफर कर रहे थे। रास्ते में उन्होंने आगे चल रहे एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान उनकी कार ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा (UPEDA) की पेट्रोलिंग टीम और हसनगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और राहत दल ने काफी मशक्कत के बाद अंकित को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला और तत्काल एंबुलेंस से हसनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। बताया गया कि अंकित की पत्नी रुचि एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं और उनकी एक छोटी बेटी भी है। अस्पताल पहुंची अंकित की बुजुर्ग मां बेटे का शव देखकर बेसुध हो गईं। इस दर्दनाक घटना से परिवार और परिचितों में शोक की लहर है। हसनगंज कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की तहरीर के आधार पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि दुर्घटना में शामिल ट्रक और उसके चालक की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नर्सिंग प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री से की शिष्टाचार भेंट, नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष का किया अभिनंदन

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली राजस्थान नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र सिंह शेखावत के निर्वाचन पर गुरुवार को नर्सिंग क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेशाध्यक्ष बनने पर राजेंद्र सिंह शेखावत को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनका अभिनंदन किया। प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के संरक्षक दौलत सिंह शेखावत, नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष कपिश शर्मा, नर्सेज जिलाध्यक्ष हरिसिंह भाटी सहित नर्सिंग क्षेत्र से जुड़े कई प्रतिनिधि शामिल रहे।

प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि राजेंद्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिलेगी तथा नर्सिंग क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने भी नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नर्सिंग क्षेत्र स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने नर्सिंग शिक्षा, आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और नवाचार को समय की आवश्यकता बताते हुए इन क्षेत्रों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल ने नर्सिंग शिक्षा, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, तकनीकी दक्षता, शोध एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए सभी संगठनों के साथ मिलकर सकारात्मक भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही नर्सिंग कर्मियों और नर्सिंग शिक्षा से जुड़े मुद्दों को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाकर उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने की बात कही। अंत में प्रतिनिधियों ने राजेंद्र सिंह शेखावत के सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए नर्सिंग क्षेत्र के विकास में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

76 वर्ष की उम्र में भी शिक्षा का जुनून, पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव बने मिसाल

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली "सीखने की कोई उम्र नहीं होती"–इस कहावत को पावटा के 76 वर्षीय पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव ने एक बार फिर सच साबित कर दिखाया है। उन्होंने राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केंद्र पर आयोजित जून सत्रांत परीक्षा-2026 में एमए समाजशास्त्र की परीक्षा देकर शिक्षा के प्रति अपनी अटूट लगन और समर्पण का परिचय दिया। इग्नू अध्ययन केंद्र के संयोजक डॉ. पी.सी. जाट ने बताया कि रामनिवास यादव इससे पहले इग्नू से एमए ज्योतिष शास्त्र तथा मानवाधिकार, पर्यावरण एवं शांति अध्ययन में डिप्लोमा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि यादव का निरंतर अध्ययन युवाओं के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी प्रेरणादायक है।

डॉ. जाट के अनुसार, मानवाधिकार, पर्यावरण एवं शांति अध्ययन में डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद रामनिवास यादव सामाजिक सरोकारों के कार्यों में और अधिक सक्रिय हो गए। वे "एक कदम गाँव की ओर" नामक गैर-सरकारी संगठन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता तथा आपसी समझाइश के जरिए विवादों के समाधान के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। रामनिवास यादव का कहना है कि शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवनभर सीखते रहने और समाज को सकारात्मक दिशा देने का सबसे प्रभावी साधन है। उनकी यह प्रेरक पहल साबित करती है कि यदि सीखने का संकल्प मजबूत हो, तो उम्र कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनती।

रिश्ता खत्म होने के बाद भी युवती की हाईस्कूल मार्कशीट लौटाने का आरोप, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

अंकित कुमार

उत्तर प्रदेशः गाजीपुर जिले से एक युवती के शैक्षणिक दस्तावेज वापस न किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि पूर्व ससुराल पक्ष ने उसका हाईस्कूल का मूल अंकपत्र (मार्कशीट) अपने पास रखा हुआ है और बार-बार मांगने के बावजूद उसे वापस नहीं किया जा रहा है। पीड़िता रानी कुमारी, जो रकसहा गांव की निवासी हैं, का कहना है कि उनका पूर्व वैवाहिक संबंध अब समाप्त हो चुका है और उनकी शादी दूसरी जगह हो गई है। इसके बावजूद, उनके अनुसार, पूर्व ससुराल पक्ष ने उनका मूल शैक्षणिक दस्तावेज अपने पास रखा हुआ है।

रानी कुमारी और उनके परिजनों का दावा है कि उन्होंने कई बार मार्कशीट लौटाने का अनुरोध किया, लेकिन अब तक उन्हें दस्तावेज नहीं सौंपे गए। उनका कहना है कि मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र के अभाव में आगे की पढ़ाई, नौकरी और अन्य आवश्यक कार्यों में परेशानी हो रही है, जिससे वे मानसिक तनाव का सामना कर रही हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस से मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि पीड़िता को उसके शैक्षणिक दस्तावेज वापस मिल सकें। हालांकि, इस मामले में पूर्व ससुराल पक्ष का पक्ष सामने नहीं आया है। वहीं, पुलिस या जिला प्रशासन की ओर से भी इस संबंध में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है।

राहुल-प्रियंका गांधी की हिरासत के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, केंद्र सरकार का पुतला फूंककर जताया विरोध

राधेश्याम गुर्जर

मध्य प्रदेशः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को हिरासत में लिए जाने के विरोध में मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के मूंदी नगर में कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। बुधवार दोपहर आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शैतान सिंह चौहान ने किया। कांग्रेस कार्यकर्ता स्थानीय बस स्टैंड पर एकत्रित हुए, जहां उन्होंने केंद्र सरकार का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और कार्रवाई के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को हिरासत में लिए जाने की घटना की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई लोकतंत्र और विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास है।

नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है तथा विरोध की आवाज को दबाना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार से लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने और विपक्ष के नेताओं के साथ निष्पक्ष व्यवहार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी और जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी। प्रदर्शन में प्रदेश सचिव इम्तियाज उर्फ. सोनू खान, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनिल जाधव सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर कांग्रेस नेतृत्व के प्रति समर्थन व्यक्त किया और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प दोहराया। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस भी तैनात रही।

वन राखी मूवमेंट के अभियान में डॉ. कौशल ने राज्यपाल को भेंट किया थाईलैंड प्रजाति का जामुन पौधा

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने वाले पर्यावरणविद् एवं वन राखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने शुक्रवार को रांची स्थित राजभवन में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात पर्यावरण धर्म एवं वन राखी मूवमेंट के स्वर्ण जयंती अभियान के अंतर्गत हुई, जिसमें डॉ. जायसवाल ने राज्यपाल को थाईलैंड प्रजाति का जामुन का पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और जैव विविधता संवर्धन का संदेश दिया। डॉ. जायसवाल ने बताया कि थाईलैंड प्रजाति का यह जामुन अपने बड़े आकार और बेहतर गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है। इसके मात्र 10 फलों का वजन लगभग एक किलोग्राम तक होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे दुर्लभ एवं उपयोगी

पौधों के संरक्षण और प्रसार से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में भी सकारात्मक पहल की जा सकती है।

उन्होंने राज्यपाल को जानकारी दी कि वर्ष 1966 से देशभर में संचालित "जंगल लगाओ, जंगल बचाओ" अभियान के 60 वर्ष तथा पर्यावरण धर्म एवं वन राखी मूवमेंट के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर स्वर्ण जयंती अभियान पूरे देश में मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देना है। मुलाकात के दौरान डॉ. जायसवाल ने राज्यपाल को पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड स्थित डाली गांव के कौशल नगर आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। उन्होंने बताया कि कौशल नगर में विकसित मोहनलाल खुर्जाझपार्वती देवी पार्क एवं जैविक उद्यान आज पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा केंद्र बन चुका है। यहां 22 देशों से लाए गए 272 प्रजातियों के दुर्लभ पौधे लगाए गए हैं, जो जैव विविधता के संरक्षण और शोध की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने राज्यपाल को यह भी बताया कि 12 फरवरी 2026 को इसी पार्क परिसर में विश्व के प्रथम पर्यावरण धर्म ज्ञान वृक्ष देव मंदिर का उद्घाटन अमेरिका एवं कर्नाटक से आए पर्यावरणविदों की उपस्थिति में संपन्न हुआ था। यह मंदिर प्रकृति, पर्यावरण और वृक्षों के प्रति सम्मान एवं संरक्षण की भावना को समर्पित एक अनूठी पहल है। डॉ. जायसवाल ने आग्रह किया कि राज्यपाल स्वयं कौशल नगर पहुंचकर पार्क, जैविक उद्यान एवं पर्यावरण धर्म ज्ञान वृक्ष देव मंदिर का अवलोकन करें तथा प्रस्तावित पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन कर अभियान को नई दिशा प्रदान करें। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने डॉ. कौशल किशोर जायसवाल द्वारा पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और जनजागरण के क्षेत्र में किए जा रहे दीर्घकालिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। डॉ. जायसवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि समाज के सभी वर्ग पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और संतुलित पर्यावरण का निर्माण किया जा सकेगा।

बरवाला थाने में PPCC बैठक हुई आयोजित, पुलिस-जन सहयोग मजबूत करने पर दिया जोर

राजपूत रंजीत

हरियाणाः हिसार पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निदेर्शानुसार थाना बरवाला में पुलिस-पब्लिक कोऑर्डिनेशन कमेटी (PPCC) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक करमजीत सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों और सामाजिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा सुरक्षित समाज के निर्माण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, यातायात नियमों की पालना, साइबर अपराधों से बचाव और सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग को लेकर लोगों को जागरूक किया। बैठक के दौरान नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और अपराध मुक्त समाज बनाने में आमजन की

भूमिका पर भी चर्चा हुई। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध, आपराधिक या असामाजिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

थाना प्रभारी निरीक्षक करमजीत सिंह ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल ही सुरक्षित समाज की मजबूत नींव है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। बैठक में उपस्थित नागरिकों ने हिसार पुलिस द्वारा जनहित और अपराध नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और भविष्य में पुलिस का सहयोग करने का आश्वासन दिया। पुलिस ने बताया कि आमजन के साथ संवाद बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे।

NTPC केरेडारी कोल माइंस पर ग्रामीणों का आक्रोश, अस्पताल और रोजगार की मांग हुई तेज

मो. समीर

झारखंडः हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र स्थित पांडु गांव में संचालित एनटीपीसी केरेडारी कोल माइंस को लेकर ग्रामीणों का असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि परियोजना शुरू हुए तीन वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद कंपनी ने प्रभावित ग्रामीणों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराईं। स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, पुनर्वास और मुआवजे जैसे अहम मुद्दों पर कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि कोल माइंस के संचालन से क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ा है, लेकिन इसके बावजूद अब तक माइंस क्षेत्र के आसपास एक अस्पताल तक का निर्माण नहीं किया गया। किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को दूर-दराज के अस्पतालों में ले जाना पड़ता है, जिससे समय पर उपचार नहीं मिल पाता। उनका आरोप है कि कंपनी ने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन

करने में गंभीर लापरवाही बरती है।

स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि एनटीपीसी ने ग्रामीणों से पर्याप्त संवाद किए बिना ही क्रेशर संचालन शुरू कर दिया। इससे क्षेत्र में धूल और प्रदूषण बढ़ने की आशंका है, जबकि स्थानीय लोगों की राय और सहमति को महत्व नहीं दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना से प्रभावित लोगों को विश्वास में लेने के बजाय उनकी अनदेखी की जा रही है। रोजगार के मुद्दे पर भी ग्रामीणों ने कंपनी के खिलाफ नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि स्थानीय युवाओं को नौकरी देने के बजाय बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है। परियोजना से प्रभावित परिवारों को रोजगार देने के वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं, जबकि विस्थापित परिवार पुनर्वास और मुआवजे के लिए लगातार कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि पांडु पंचायत में पिछड़े वर्ग के लोगों की संख्या अधिक है, लेकिन उनके उत्थान के लिए कंपनी की ओर से कोई प्रभावी सामाजिक या कल्याणकारी योजना शुरू नहीं की गई। इससे लोगों में यह भावना मजबूत हुई है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा।

ग्रामीणों ने मांग की है कि माइंस क्षेत्र के पास जल्द से जल्द एक आधुनिक अस्पताल बनाया जाए, स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता दी जाए, लंबित मुआवजा और पुनर्वास के मामलों का पारदर्शी समाधान किया जाए तथा कंपनी प्रशासन ग्रामीणों के साथ उच्चस्तरीय वार्ता करे। ग्रामीण प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो वे लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे। फिलहाल इस मामले को लेकर क्षेत्र में असंतोष का माहौल बना हुआ है और लोगों की निगाहें कंपनी तथा जिला प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

औरास में 10 वर्षों से बदहाल है सड़क, ग्रामीणों ने लगाया विभागीय लापरवाही का आरोप

सूरज कुमार

उत्तर प्रदेशः उन्नाव जिले के औरास क्षेत्र में ग्राम नरायनपुर से जमानगर होते हुए बहादुरपुर हसनपुर तक जाने वाली मुख्य सड़क पिछले करीब दस वर्षों से बदहाल स्थिति में है। सड़क की जर्जर हालत के कारण क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को प्रतिदिन आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक सड़क की मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं कराया गया। ग्रामीणों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण लगभग दस वर्ष पहले मंडी परिषद और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराया गया था। इसके बाद से आज तक इस मार्ग पर कोई मरम्मत या पुनर्निर्माण कार्य नहीं हुआ। समय के साथ सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और जगह-जगह बड़े गड्ढे बन जाने से यह मार्ग लोगों के लिए जोखिम भरा हो गया है।

यह सड़क औरास क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। खराब सड़क के कारण किसानों, छात्रों, कर्मचारियों, मरीजों और दैनिक यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार मंडी परिषद और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि विभागीय उदासीनता के कारण वर्षों से सड़क की हालत बदतर होती जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदेश सरकार द्वारा सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन क्षेत्र में इन निदेर्शों का अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क निर्माण या मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। यदि विभाग का पक्ष प्राप्त होता है तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

स्वच्छता नियम तोड़ने वालों पर नगर निगम की कार्रवाई, खुले में कचरा और प्लास्टिक उपयोग पर लगाए चालान

राजपूत रंजीत

हरियाणाः हिसार शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम हिसार ने स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। नगर निगम की टीमों ने खुले में कचरा डालने, निर्माण मलबा सड़क किनारे फेंकने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ चालान काटे। नगर निगम की टीम ने सेक्टर-14 पार्ट-2 और एसटीपी ऋषि नगर के सामने सड़क किनारे मलबा डालते पाए गए दो ट्रैक्टर संचालकों पर कार्रवाई करते हुए 1,500-1,500 रुपये के चालान किए। यह कार्रवाई एएसआई राहुल सैनी

और एएसआई राहुल पंवार की टीम द्वारा की गई।

वहीं, सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन के उपयोग पर रोक लगाने के लिए मधुबन पार्क के सामने कुम्हार धर्मशाला रोड पर निरीक्षण किया गया। इस दौरान सीटीएल प्रदीप जाखड़, तकनीकी विशेषज्ञ जसबीर कुंडू और आईईसी एक्सपर्ट हरिराम गुर्जर की टीम ने दो दुकानदारों पर 500-500 रुपये का जुमार्ना लगाया। इसके अलावा दिल्ली रोड स्थित अर्बन एस्टेट मार्केट में खुले में कचरा डालने पर तीन दुकानदारों के 500-500 रुपये के चालान किए गए। साथ ही कचरे को अलग-अलग नहीं रखने पर एक रेहड़ी संचालक का 200 रुपये का चालान किया गया।

NTPC के कन्वेयर क्रशर संचालन का किया विरोध, ग्रामीणों में बढ़ा दिखा आक्रोश

मो. समीर

झारखण्डः झारखंड के हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र स्थित पाण्डु गांव में NTPC की कोयला खनन परियोजना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी ने उनकी सहमति और पूर्व सूचना के बिना कन्वेयर क्रशर का संचालन शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि इस फैसले से आसपास के गांवों में प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने की आशंका है, जिससे लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार, इससे पहले जब कन्वेयर क्रशर को लेकर सवाल उठाए गए थे, तब कंपनी प्रबंधन ने इसे केवल ट्रायल संचालन बताया था। हालांकि अब बिना किसी सार्वजनिक संवाद,

ग्राम सभा की सहमति या स्थानीय समस्याओं के समाधान के इसे नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पाण्डु, बेंगवारी और आसपास के कई गांव इस परियोजना से सीधे प्रभावित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि परियोजना शुरू हुए लगभग तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद कोयला परिवहन और क्रशिंग के दौरान उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त और स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। उनका कहना है कि लगातार उड़ती धूल और बढ़ते प्रदूषण के कारण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लोगों ने सांस संबंधी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की आशंका भी जताई है।ग्रामीणों का यह भी कहना है कि कंपनी का पूरा ध्यान केवल उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित है, जबकि स्थानीय लोगों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा। कन्वेयर क्रशर के संचालन से धूल के साथ-साथ शोर और कंपन की समस्या भी बढ़ गई है, जिससे लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है।

इसके अलावा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, सुरक्षा उपायों और मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अब तक इन मुद्दों पर कोई ठोस पहल नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास परियोजनाओं के साथ स्थानीय लोगों के अधिकारों, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का भी समान रूप से ध्यान रखा जाना चाहिए। ग्रामीणों ने संबंधित प्रशासन और कंपनी प्रबंधन से मांग की है कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए, प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय लागू किए जाएं तथा स्थानीय लोगों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी सहमति और सुझावों को महत्व दिया जाए।

केरेडारी कोल माइंस परियोजना में वर्कर यूनियन का हुआ गठन, यूनियन कार्यालय का किया उद्घाटन

मो. समीर

झारखंडः केरेडारी प्रखंड क्षेत्र स्थित कोल माइंस परियोजना के पांडू कावेद पुल के समीप शनिवार को कोल माइंस वर्कर यूनियन (CMWU) का विधिवत गठन किया गया। इस दौरान यूनियन कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कोल माइंस के श्रमिक, स्थानीय ग्रामीण और विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ उटहव के केंद्रीय कमेटी अध्यक्ष बैजनाथ मिस्त्री ने फीता काटकर यूनियन कार्यालय का उद्घाटन कर किया। इसके बाद आयोजित सभा में श्रमिकों के हितों, उनके अधिकारों और संगठन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर AICCTU के

जोनल सचिव एवं भाकपा (माले) के केंद्रीय कमेटी सदस्य शिवेंदु सेन, उटहव के केंद्रीय कमेटी अध्यक्ष बैजनाथ मिस्त्री, झारखंड जोनल सचिव विकास सिंह, भाकपा (माले) जिला कमेटी सदस्य एवं CMWU के केंद्रीय सदस्य पेरू प्रताप, हजारीबाग जिला कमेटी सदस्य रामचरित्र राम, भीम आर्मी प्रखंड अध्यक्ष पप्पू कुमार दास, यूनिट टीम अध्यक्ष हारून रशीद सहित कई श्रमिक और सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभा के दौरान सर्वसम्मति से केरेडारी कोल माइंस परियोजना के लिए नई यूनियन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें मोहम्मद अफरोज को अध्यक्ष, मोहम्मद शमसुद्दीन को उपाध्यक्ष, अजीत कुमार दास को सचिव, मोहम्मद तौकीर को कोषाध्यक्ष तथा समीर शम्स और शाहिद अफरीदी को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा 21 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का भी गठन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यूनियन का प्रमुख उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना, सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना तथा मजदूरों की समस्याओं को संगठित तरीके से प्रबंधन और प्रशासन के समक्ष उठाना है। उन्होंने कहा कि संगठित प्रयासों के माध्यम से श्रमिकों की जायज मांगों को प्रभावी ढंग से रखा जा सकेगा और उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। यूनियन के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने श्रमिकों से एकजुट रहने और अपने अधिकारों के साथ-साथ

अनाथ बच्चों के साथ उपायुक्त ने मनाया जन्मदिन, बांटी खुशियां और दिया सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने अपने जन्मदिन को सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं के साथ मनाकर एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की। बुधवार को उन्होंने मेदिनीनगर स्थित सिंचाई विभाग परिसर के वात्सल्य धाम, संप्रेषण गृह तथा स्टेशन रोड स्थित मिशनरीज ऑफ चैरिटी पहुंचकर अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों के साथ केक काटा और उनके बीच खुशियां साझा कीं। इस दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक उपायुक्त का स्वागत किया और उन्हें केक खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त ने भी बच्चों के साथ आत्मीयता से समय बिताया, उनका हालचाल जाना और उनसे

बातचीत कर उनके साथ यादगार पल साझा किए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया।

उपायुक्त ने बच्चों के बीच मिठाइयों का वितरण किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बेहतर शिक्षा और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे विशेष अवसर केवल व्यक्तिगत उत्सव तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इन्हें समाज के जरूरतमंद और असहाय लोगों के साथ खुशियां बांटने का माध्यम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर समाज के वंचित वर्ग, विशेष रूप से बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करना चाहिए। यही सच्ची सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता की पहचान है। उनके अनुसार, किसी जरूरतमंद के जीवन में छोटी-सी खुशी भी बड़ा बदलाव ला सकती है।

उपायुक्त की इस संवेदनशील पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की। संस्थान के बच्चों ने भी उनके साथ बिताए गए इन पलों को अपने जीवन का यादगार अनुभव बताया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में आत्मीयता, स्नेह और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की यह पहल समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है कि यदि हर व्यक्ति अपने विशेष अवसरों की खुशियां जरूरतमंदों के साथ साझा करे, तो समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवता की भावना को और अधिक मजबूत किया जा सकता है।

सम्पादकीय

हर घर तक कब पहुंचेगा नल का पानी?

किसी भी समाज की तरक्की का अंदाजा केवल ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या नई योजनाओं से नहीं लगाया जा सकता। असली विकास तब दिखाई देता है, जब किसी किशोरी के हाथ में पानी से भरी बाल्टी नहीं, बल्कि किताब हो। जब किसी महिला की सुबह घर के लिए पानी जुटाने की चिंता से नहीं, बल्कि अपने सपनों और परिवार के बेहतर भविष्य की योजना से शुरू हो। लेकिन बिहार के मुजफ्फरपुर सहित कई ग्रामीण इलाकों में आज भी ऐसी तस्वीर पूरी तरह नहीं बदल पाई है।

सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन और राज्य की हर घर नल का जल योजना के बावजूद अनेक घर ऐसे हैं, जहाँ आज भी नल का पानी नहीं पहुँचा है। इसका सबसे बड़ा बोझ महिलाओं और किशोरियों के कंधों पर पड़ता है। वे रोजाना कई बार हैंडपंप या दूसरे स्त्रोतों से पानी ढोती हैं। यह केवल पानी की समस्या नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान, समय और समान अवसरों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। मुजफ्फरपुर जिले के कई ग्रामीण इलाकों में रहने वाली महिलाएं बताती हैं कि गाँव के मुख्य रास्ते या सड़क किनारे बने घरों तक तो नल जल की सुविधा पहुंच गई है, लेकिन जिन परिवारों के घर सड़क से दूर, टोले या बस्ती के अंदर हैं, वे आज भी इस सुविधा का इंतजार कर रहे हैं। एक महिला कहती हैं, "सड़क पर रहने वालों के घर में नल लग गया है, लेकिन हमारा घर अंदर है। हम आज भी चापाकल (हैंडपंप) से पानी लाते हैं। कई बार पंचायत में कहा, लेकिन अभी तक हमारे यहाँ पाइप नहीं पहुँचा।"

यह शिकायत केवल पाइपलाइन की नहीं, बल्कि रोज की उस थकान की भी है जिसका सबसे अधिक असर किशोरियों की पढ़ाई पर पड़ता है।। स्कूल जाने से पहले पानी भरना, स्कूल से लौटने के बाद फिर पानी लाना और शाम को दोबारा यही काम। दिन का बड़ा हिस्सा इसी में निकल जाता है। कई बार यदि घर में मेहमान आ जाएँ या पानी की खपत बढ़ जाए, तो उन्हें पढ़ाई छोड़कर अतिरिक्त चक्कर लगाने पड़ते हैं। परीक्षा के दिनों में भी यह जिम्मेदारी कम नहीं होती। परिणाम यह होता है कि उनके पास पढ़ने, आराम करने या अपनी रुचियों को विकसित करने का समय ही नहीं बचता। शिक्षा का अधिकार केवल स्कूल पहुँचने तक सीमित नहीं है। इसके लिए पढ़ने का समय, आराम और ऐसी परिस्थितियाँ भी जरूरी हैं जहाँ घरेलू जिम्मेदारियाँ लड़कियों की पढ़ाई पर भारी न पड़ें। यह सोचने की बात है कि पानी लाने की जिम्मेदारी लगभग हमेशा महिलाओं और किशोरियों के हिस्से में ही क्यों आती है। आखिर किसने तय किया कि घर के लिए पानी भरना केवल उनका काम होगा? संविधान या किसी कानून में ऐसा कोई नियम नहीं लिखा है। दरअसल, यह जिम्मेदारी वर्षों से चली आ रही सामाजिक धारणाओं और लैंगिक भूमिकाओं का परिणाम है। बचपन से लड़कियों को घर के काम सिखाए जाते हैं, जबकि लड़कों को अक्सर इन जिम्मेदारियों से दूर रखा जाता है। धीरे-धीरे यह लैंगिक बँटवारा इतना सामान्य मान लिया जाता है कि परिवार भी इसे असमानता नहीं, बल्कि व्यवस्था मानने लगते हैं। जब पानी दूर से लाना पड़ता है, तब सबसे पहले घर की लड़कियों को आवाज दी जाती है।

सिक्किम हादसा: प्रकृति की चेतावनी या मानवीय लापरवाही?

-सुनील कुमार महला-

हाल ही में सिक्किम के समरडुंग, नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-श्कजलविद्युत परियोजना के निमार्णाधीन टनल (एडीआइटी-3) में हादसा हो गया। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2026 को निमार्णाधीन सुरंग के अंदर अचानक मीथेन गैस से जुड़ी घटना (संभावित विस्फोट/दहन) हुई और इसके बाद सुरंग के प्रवेश मार्ग के पास भूस्खलन हुआ, जिससे सुरंग का हिस्सा बंद हो गया और अंदर मौजूद कर्मचारी व अधिकारी फंस गए। बताया जा रहा है कि सुरंग में 40 से अधिक लोग मौजूद थे। इनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 25झ27 लोग अंदर फंस गए। जानकारी अनुसार इनमें एनएचपीसी, ठेकेदार कंपनी और मजदूर शामिल थे।

ताजा उपलब्ध जानकारी के अनुसार(यह आलेख लिखे जाने तक) 20 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं तथा 2 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे तथा रिपोर्ट के समय तक 5 लोगों की तलाश जारी थी। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि सुरंग में प्राकृतिक रूप से जमा मीथेन गैस को निकालने के प्रयास के दौरान विस्फोट/दहन हुआ, जिससे भूस्खलन हुआ और सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया। हालांकि, अंतिम कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी, दमकल तथा अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों को लगाया गया। इधर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि भूस्खलन के कारण इस सुरंग के ढह जाने से कई लोगों की मौत हो जाने की घटना ने पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी कर विकास कितना नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में भूस्खलन (लैंडस्लाइड) एक गंभीर प्राकृतिक आपदा बनता जा रहा है। मानसून के दौरान हिमालयी और पश्चिमी घाट के राज्यों में इसकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा के कारण कई बड़े भूस्खलन हुए हैं। वास्तव में,अत्यधिक वर्षा और बादल फटना, भारत के हिमालयी क्षेत्र का भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होना, अनियोजित विकास (पेड़ों की अंधाधुंध कटाई,सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाओं और भवन निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी), विकास के नाम पर पहाड़ों का काटा जाना, जलवायु परिवर्तन (अत्यधिक और अल्प अवधि की वर्षा) भूस्खलन के प्रमुख कारणों में से एक हैं तथा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) तथा पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र) हमारे देश में सबसे अधिक भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में से एक हैं। गौरतलब है कि भारत का लगभग 12.6% भौगोलिक क्षेत्र भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र में आता है तथा इस क्रम में इसरो (राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र) ने वर्ष 1998-2022 के दौरान भारत में लगभग 80,000 भूस्खलनों का डेटाबेस तैयार किया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।

बहरहाल, भूस्खलन का यह हमारे देश में पहला हादसा नहीं है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया गया। कहना गलत नहीं होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे में यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया, तो यह गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। सवाल यह भी उठता है कि बरसात के मौसम में सुरंग निर्माण का काम करते समय आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम पहले से क्यों नहीं किए गए? इस दुर्घटना में जिन श्रमिकों की जान गई, उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या परियोजना से जुड़े अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी?

उक्त क्रम में, विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ों में लगातार निर्माण कार्य(विकास) और पेड़ों की कटाई से जमीन कमजोर हो रही है। इसलिए बारिश के समय भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम में कई सुरंगें बन चुकी हैं और कई बन रही हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि निर्माण शुरू करने से पहले पर्यावरण और सुरक्षा से जुड़े जोखिमों का सही आकलन किया जाए। यदि

छात्र आंदोलन: मुद्दों से भटकती बहस और भविष्य की चिंता

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

आज देश का युवा पेपर लीक से परेशान है। उसे इस बात की चिंता है कि वर्षों की मेहनत कहीं किसी अपराधी गिरोह की वजह से व्यर्थ न चली जाए। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह होना चाहिए कि पेपर लीक कैसे रुकेंगे, परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित कैसे बनाया जाएगा, दोषियों को कितनी जल्दी और कितनी कठोर सजा मिलेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कौन-से संस्थागत सुधार किए जाएंगे। यदि इन मूल प्रश्नों के स्थान पर केवल राजनीतिक नारे और सरकार विरोध या सरकार समर्थन की बहस प्रमुख हो जाए, तो समाधान की दिशा कमजोर पड़ जाती है।

लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन केवल अधिकार नहीं, बल्कि जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक प्रभावी माध्यम भी है। जब व्यवस्था में कोई गंभीर खामी सामने आती है, तब जनता अपनी आवाज बुलंद करती है और सरकार से जवाब मांगती है। विशेष रूप से जब मामला लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा हो, तब विरोध का स्वर और अधिक स्वाभाविक हो जाता है। नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की खबरों ने पूरे देश के युवाओं और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। वर्षों की कठिन मेहनत के बाद यदि किसी परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो आक्रोश पैदा होना असामान्य नहीं है। किंतु इस पूरे घटनाक्रम ने एक बड़ा प्रश्न भी खड़ा किया कि क्या छात्र आंदोलनों का उद्देश्य वास्तव में छात्रों का भविष्य रह गया है, या फिर वे धीरे-धीरे राजनीतिक और वैचारिक संघर्षों का मंच बनते जा रहे हैं?

किसी भी छात्र आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी नैतिकता होती है। जब छात्र अपने अधिकारों और भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं, तब समाज उनके साथ खड़ा होता है। अभिभावक, शिक्षक और आम नागरिक भी उनकी मांगों को उचित मानते हैं। लेकिन जैसे ही आंदोलन का केंद्र बदलने लगता है और मूल मुद्दे से असंबंधित विषय मंच पर आने लगते हैं, तब उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यदि परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध का मंच ऐसे नारों, भाषणों या विवादों का केंद्र बन जाए जिनका शिक्षा व्यवस्था से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, तो आंदोलन की गंभीरता कम होती है और वास्तविक मुद्दा पीछे छूट जाता है।

आज देश का युवा पेपर लीक से परेशान है। उसे इस बात की चिंता है कि वर्षों की मेहनत कहीं किसी अपराधी गिरोह की वजह से व्यर्थ न चली जाए। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह होना चाहिए कि पेपर लीक कैसे रुकेंगे, परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित कैसे बनाया जाएगा, दोषियों को कितनी जल्दी और कितनी कठोर सजा मिलेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कौन-से संस्थागत सुधार किए जाएंगे। यदि इन मूल प्रश्नों के स्थान पर केवल राजनीतिक नारे और सरकार विरोध या सरकार समर्थन की बहस प्रमुख हो जाए, तो समाधान की दिशा कमजोर पड़ जाती है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि पेपर लीक कोई नई समस्या नहीं है। अलग-अलग राज्यों में, अलग-अलग सरकारों के समय विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के मामले सामने आते रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि समस्या किसी एक दल, एक मंत्री या एक सरकार तक सीमित नहीं है। समस्या उस तंत्र में है जिसमें अपराधी गिरोह सेंध लगाने में सफल हो जाते हैं। इसलिए यदि हर बार केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक ही चर्चा सीमित रहेगी, तो वास्तविक अपराधी बच निकलेंगे और विद्यार्थी बार-बार पीड़ित होंगे। किसी मंत्री का इस्तीफा लोकतांत्रिक जवाबदेही का विषय हो सकता है, लेकिन यह अपने आप में अंतिम समाधान नहीं है। मंत्री बदलने से व्यवस्था तभी बदलेगी जब प्रशासनिक सुधार, तकनीकी सुरक्षा, पारदर्शी जांच और कठोर दंड व्यवस्था लागू होगी। यदि जड़ पर प्रहार नहीं होगा तो केवल चेहरे बदलने से परिणाम नहीं बदलेंगे। इसलिए छात्र आंदोलनों का केंद्र व्यक्ति नहीं, व्यवस्था में सुधार होना चाहिए।

सोशल मीडिया के दौर में आंदोलनों की दिशा बहुत तेजी से बदलती है। कुछ सेकंड की वीडियो क्लिप, एक नारा या एक पोस्ट पूरे आंदोलन की छवि तय कर देती है। यही कारण है कि आंदोलन से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। यदि मंच पर ऐसे नारे सुनाई दें जिनका परीक्षा या शिक्षा से कोई संबंध न हो, तो आम नागरिक यह सोचने पर विवश हो जाता है कि क्या आंदोलन का मूल उद्देश्य वही है जो शुरूआत में बताया गया था। लोकतंत्र में विचारधाराओं का स्थान है, लेकिन जब छात्र आंदोलन वैचारिक प्रतिस्पर्धा का माध्यम बन जाए, तब सबसे बड़ा नुकसान उन्हीं छात्रों का होता है जिनके नाम पर आंदोलन शुरू हुआ था।

सार्वजनिक जीवन में सक्रिय किसी भी व्यक्ति-चाहे वह सामाजिक कार्यकर्ता हो, छात्र नेता हो या आंदोलन का चेहरा-उसकी बातों से सहमति और असहमति दोनों हो सकती हैं। लोकतंत्र इसी विविधता का नाम है। लेकिन किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन व्यक्तियों की लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य और परिणामों से होना चाहिए। यदि आंदोलन छात्रों के भविष्य के लिए शुरू हुआ है, तो उसकी हर गतिविधि, हर नारा और हर मांग उसी उद्देश्य को मजबूत करने वाली होनी चाहिए। अन्यथा समाज का विश्वास कमजोर पड़ने लगता है।

आज आवश्यकता केवल दोषारोपण की नहीं, बल्कि व्यापक सुधार की है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए अत्याधुनिक डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी। प्रश्नपत्रों के निर्माण से लेकर वितरण तक हर चरण में जवाबदेही तय करनी होगी। साइबर सुरक्षा को मजबूत करना होगा। पेपर लीक में शामिल संगठित गिरोहों की संपत्ति जब्त करने, त्वरित न्याय और आजीवन प्रतिबंध जैसे कठोर उपायों पर गंभीरता से विचार करना होगा। जब तक अपराधियों को यह भय नहीं होगा कि उनके अपराध की कीमत बहुत भारी होगी, तब तक समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी।

राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। सत्ता पक्ष को आलोचना से बचने के बजाय पारदर्शी कार्रवाई करनी चाहिए, जबकि विपक्ष को केवल सरकार की आलोचना तक सीमित रहने के बजाय रचनात्मक सुझाव भी देने चाहिए। यदि हर समस्या केवल राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखी जाएगी, तो छात्रों का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थाओं से कम होता जाएगा। शिक्षा और युवाओं का भविष्य किसी भी राजनीतिक लाभ से कहीं अधिक महत्वपूर्ण विषय है।

समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। कई बार हम सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, अधूरी सूचनाओं या भावनात्मक संदेशों के आधार पर तुरंत पक्ष-विपक्ष तय कर लेते हैं। जबकि किसी भी आंदोलन या विवाद का मूल्यांकन तथ्यों, प्रमाणों और संतुलित दृष्टिकोण से होना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, लेकिन असहमति तभी सार्थक होती है जब वह विवेक और जिम्मेदारी के साथ व्यक्त की जाए।

छात्रों को भी यह समझना होगा कि उनकी सबसे बड़ी शक्ति उनकी नैतिक विश्वसनीयता है। यदि वे अपने मुद्दों पर एकजुट रहेंगे, तो पूरा समाज उनके साथ खड़ा होगा। लेकिन यदि उनका आंदोलन राजनीतिक ध्रुवीकरण का माध्यम बन जाएगा, तो उनकी वास्तविक मांगें पीछे छूट जाएँगी। इतिहास गवाह है कि सफल जनांदोलन वही रहे हैं जिन्होंने अपने मूल उद्देश्य को कभी नहीं छोड़ा।

भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। यह जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी ताकत भी है और सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। यदि युवाओं का विश्वास परीक्षा प्रणाली, शिक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं से डगमगाने लगे, तो उसका प्रभाव केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य पर पड़ेगा।

सियासत संवरती है आंदोलनों से और डरती भी उन्हीं से है!

-निरंजन परिहार-

देश में आंदोलन है। आंदोलन में छात्र हैं। छात्र एग्जाम देते हैं। एग्जाम में पेपर लीक हो जाते हैं। सो, गुस्सा वाजिब है। सवाल नीट का एग्जाम देने वाले 22 लाख छात्रों की मेहनत का था। भविष्य सवालों में था और व्यवस्था कठघरे में। तो, सरकार ने तत्काल कठघरे से निकलने के लिए अच्छी व्यवस्था में फिर से एग्जाम करवा दिया। बात खत्म हो जानी थी। लेकिन फिर भी सरकार के खिलाफ आंदोलन। नई दिल्ली की सड़कों पर छात्र और युवा। आंखों में गुस्सा और दिलों में बेचैनी। वे जवाब मांग रहे थे और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी। महीने भर तक धरना, लेकिन अंत में प्रदर्शन के नाम पर अराजकता, तो टकराव वाजिब था। पुलिस आगे बढ़ी। लाठीचार्ज हुआ। वीडियो सामने आए। हालात बिगड़े। बहस तेज हो गई। देश भर में मुद्दा बना। तो, यहीं से राजनीति भी अपनी राह पर उतर आई, घुस गई आंदोलन में, और कहानी भी यहीं से बदल गई।

देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र में आंदोलन जरूरी हैं। आंदोलन में सवाल जरूरी हैं और सवालों के जवाब भी जरूरी। मगर, जवाब मांगेगा कौन? छात्र जवाब मांगने लगे, तो राजनीति जाग गई। छात्र पीछे हो गए। नेता आने लगे। आंदोलन वही। चेहरे बदल गए। हर दल ने अवसर देखा। हर दल ने कैमरे देखे। हर दल ने भीड़ देखी। यहीं से सियासत संवर गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी धरने पर बैठे। सरकार पर सवाल उठाए। लोकतंत्र की बात की। युवाओं के भविष्य की चिंता जताई। सत्ता पक्ष ने पलटवार किया। कहा, विपक्ष अवसर तलाश रहा है। दर्द पर राजनीति हो रही है। विपक्ष का जवाब भी तैयार था। कहा, सवाल पूछना लोकतंत्र का अधिकार है। छात्रों की आवाज दबाई नहीं जा सकती। राहुल गांधी बोले झ सरकार संसद में बहस करे, हम धरना तोड़ देंगे। सरकार बोली झ जी बहस कर लेंगे। सरकार मान गई, तो राहुल सन्न। उनको लगा कि तीर खाली चला गया, तो धरना तोड़ने की बात बदल कर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर पहुंच गए। पुलिस ने राहुल को उठाया और ले गई, फिर रात को छोड़ भी दिया।

उद्देश्य केवल नीट के एग्जाम था? लक्ष्य व्यवस्था में सुधार था। एग्जाम हो भी गया था। मगर, छात्रों के बहाने सरकार को घेरने का लक्ष्य बड़ा हो गया। आंदोलन कॉक्रोच जनता पार्टी का था। न जनाधारहीन और न ही संगठन, न ही कोई नामी चेहरा। लेकिन आंदोलन जारी। अभिजीत दीपके को कौन जानता था। सफलता संदिग्ध दिखी, तो सोनम वांगचुंग को आगे ले आए। वांगचुंग को अन्ना हजारे की फ्रेम में फिट करने को असफलता मिली, तो संसद पर मार्च की कोशिश हुई। पुलिस ने रोका, तो राजनीति को यहीं अपना स्पेस दिखा। राजनीति कभी मैदान खाली नहीं छोड़ती। जहां भी भीड़ होती है, राजनीति वहीं पहुंच जाती है। कांग्रेस आ गई। उत्तर प्रदेश में चुनाव सामने देख कर समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव भी आ गए। पंजाब में चुनाव हैं, तो आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल भी सामने आ गए। सत्ता में बेदखली से भन्नाए शिवसेना के वो उद्धव ठाकरे भी जंतर मंतर पहुंच गए, जिनके पिता बाल ठाकरे राजनीति के लिए नई दिल्ली कभी गए तक नहीं। सबको मजा आ गया। जहां गुस्सा होता है, वहां राजनीति भी रणनीति के साथ अपने अवसर खोज ही लेती है। यही लोकतंत्र की ताकत भी है, यही उसकी चुनौती भी और यही कमजोरी भी। लेकिन जहां गुड़ होता हैं, मक्खियां तो पहुंच ही जाती हैं।

असली बहस इसी मोड़ से शुरू होती है। क्या हर छात्र आंदोलन राजनीतिक रंग ले लेता है? क्या हर आंदोलन का राजनीतिक समर्थन गलत है? क्या हर विरोध प्रदर्शन कानून - व्यवस्था की चुनौती बन जाता है? जवाब आसान नहीं हैं। मगर लोकतंत्र में संवाद जरूरी है। संवाद ना हो तो, विरोध का अधिकार है। पर, अधिकार शांति बनाए रखने का भी है। कानून और व्यवस्था पर हमला करेंगे, तो रोकने की कोशिशें भी होंगी। लाठियां भी चलेंगी, सिर भी फटेंगे। लाठियां भीड़ देखती हैं, वे नहीं देखतीं कि सामने बूढ़ा है, या जवान है या कोई जवानी। पुलिस की जिम्मेदारी व्यवस्था बनाए रखना है। माना कि बल प्रयोग भी हमेशा अंतिम विकल्प होना चाहिए। लेकिन हद में रहते, तो कुछ नहीं होता। संसद की तरफ बढोगे, तो बल प्रयोग भी होगा। यदि अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है, तो निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि हिंसा हुई है, तो जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। छात्रों की पीड़ा वास्तविक है। उनकी मेहनत वास्तविक है। उनकी चिंता वास्तविक है। और छात्रों के साथ राजनीति का छल भी परम सत्य है। क्यों?

जरा समझिए कि राजनीति की भूमिका हर बार आखिर, संदेह के दायरे में क्यों रहती है। सियासत समर्थन दें। सत्ता से सवाल करे। लेकिन छात्रों की आवाज पर हावी न हो। सरकार की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। भरोसा बहाल करना होगा। पारदर्शिता दिखानी होगी। हर शिकायत का उत्तर देना होगा। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ से नहीं उसकी दिशा से मापी जाती है। मयार्दा से मापी जाती है, और उसके परिणाम से मापी जाती है। युवाओं को संघर्ष नहीं, समाधान चाहिए। छात्रों को टकराव नहीं, विश्वास चाहिए। आश्वासन नहीं, व्यवस्था चाहिए। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा है। और यही सरकार, विपक्ष और संस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। विपक्ष सरकार को घेरता है। सरकार विपक्ष पर आरोप लगाती है। यह नया नहीं है। लेकिन छात्र? उनका भविष्य किसी प्रेस नेता की प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं बनता। नेता बयान दे रहे हैं। मगर, जब राजनीतिक बयान सुर्खियां बनने लगें, तब असली मुद्दे अक्सर पीछे छूट जाते हैं।

अब, देश तय करे कि यह आंदोलन राजनीतिक दलों की चुनावी बहस बने या शिक्षा सुधार की शुरूआत। आंदोलन की सफलता भीड़ से नहीं मापी जाती। उसके परिणाम से मापी जाती है। यदि परीक्षा प्रणाली मजबूत हुई, आंदोलन सफल है। यदि दोषियों को सजा मिली, आंदोलन सफल है। यदि भविष्य में पेपर लीक रुके, आंदोलन सफल है। लेकिन यदि अंत में केवल राजनीतिक भाषण बचे, और छात्र फिर उसी कतार में खड़े रह जाएं, तो हार किसकी होगी? सरकार की? विपक्ष की? नहीं। हार उस छात्र की हुई जिसने रतजगे करते हुए किताबें पढ़ीं, परीक्षा दी और नतीजा शून्य। आंदोलन दरअसल वहीं मर जाते हैं, जहां राजनीति घुस जाती हैं। इसलिए बहस का केंद्र नेता नहीं, दल भी नहीं, उद्देश्य होना चाहिए। बहस के केंद्र में होना चाहिए छात्रों का भविष्य। लेकिन बहारें फिर भी आएंगी की तर्ज पर राजनेता तो हर चुनाव में और हर आंदोलन में फिर आएंगे।

देवेन्द्र माँझी का साहित्यिक अवदान: एक विस्तृत विवेचन

-पूनम चतुर्वेदी-

समकालीन हिंदी और उर्दू साहित्य के परिदृश्य में देवेन्द्र माँझी एक अत्यंत सशक्त, बहुमुखी और प्रतिष्ठित हस्ताक्षर हैं। देवेन्द्र माँझी जी का रचना-संसार बहुत व्यापक है। उन्होंने गजलों के साथ-साथ गीत, दोहे और गद्य (उपन्यास) भी लिखे हैं, जिसमें उनके गहन चिंतन और उदात्त मानवीय बोध की सार्थक उपस्थिति दिखाई देती है। एक रचनाकार के रूप में उनका सबसे बड़ा गुण उनकी संवेदनशीलता और समाज के प्रति उनकी गहरी जवाबदेही है। साहित्य के प्रति उनके समर्पण का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि वे अब तक अपनी 30 पुस्तकें (कृतियाँ) हिन्दी साहित्यिक-समाज को प्रदान कर चुके हैं। इसके अलावा आपकी चार कृतियाँ उर्दू लिपि में भी प्रकाशित हुई हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपने दौर के मशहूर शायरों की चुनिंदा शायरी पर आधारित आठ पुस्तकों का सफल संपादन भी किया है।

उनका साहित्यिक अवदान केवल कविता या गद्य तक सीमित नहीं है, बल्कि तुकान्तकोश, शब्दकोश और मुहावराकोश के निर्माण में भी ऐतिहासिक और अद्वितीय योगदान रहा है। देवेन्द्र माँझी के संपूर्ण साहित्यिक अवदान को हम उनकी रचना-विधाओं के आधार पर निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत समझ सकते हैं:

1. गजल साहित्य में यथार्थ और संवेदना का स्वर : देवेन्द्र माँझी मूलतः मुहब्बतों और मानवीय संवेदनाओं के शायर हैं। लगभग चार दशक पूर्व उनका पहला गजल-संग्रह समंदर के दायरे प्रकाशित हुआ था, जिसने साहित्य-प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। इसके पश्चात उनकी गजलों के कई महत्त्वपूर्ण संग्रह प्रकाशित हुए, जिनमें नगर करायेगा विषपान मुझे, शीशे का इन्किलाब, हादिसा हूँ मैं, क्यों सभी खामोश हैं, मजबूरियां मेरी, इशारे हवाओं के, ये रोशनी मेरी नहीं और मैं ही मौका हूँ प्रमुख हैं।

उनकी गजलें अपने समय और आबो-हवा की खुशबू से लबरेज हैं। उनमें समाज के जटिल यथार्थ को ईमानदारी और बेबाकी से व्यक्त करने की अद्भुत क्षमता है। माँझी जी की गजलों में जहाँ एक ओर रोमानी पहलू, प्रेम, विरह, अकेलेपन और उदासी के गहरे रंग हैं, वहीं दूसरी ओर ज़िंदगी के प्रति एक शिकायत भरा स्वर भी मौजूद है, जिसके भीतर आशा और विश्वास की झंकार सुनाई देती है। वे मानते हैं कि आँसू किसी भी कवि या साहित्यकार के लिए उपकरण का कार्य करते हैं, जिसने उन्हें निखारा है। उनकी गजलों में जीवन के कठोर और खुरदरे यथार्थ का चित्रण है। वे आम आदमी की समस्याओं, राजनीतिक विद्रूपताओं और उच्च-वर्गीय समाज द्वारा निम्न-वर्गीय लोगों के शोषण को अपनी शायरी का विषय बनाते हैं। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शेरजंग गर्ग के अनुसार, माँझी जी ने अपनी गजलों को आत्मीयता की पोशाक में सँवारकर पेश किया है और ज़िंदगी के वास्तविक पहलुओं से सीधा रिश्ता कायम किया है।

2. मक़्ते में तखल्लुस का अद्वितीय और प्रतीकात्मक प्रयोग : उर्दू-हिंदी गजल परंपरा में मक़्ते (गजल का अंतिम शेर) में शायर के तखल्लुस (उपनाम) का प्रयोग एक सामान्य बात है, लेकिन देवेन्द्र माँझी ने अपने उपनाम माँझी का जिस कौशल और कलात्मकता के साथ प्रयोग किया है, वह विस्मयकारी है। उन्होंने माँझी शब्द को नदी, तूफान, नाव, भँवर, दरिया, समंदर, लहर, तट, रवानी, कश्ती और पतवार जैसे शब्दों के साथ रूपकों में ढालकर बला की खूबसूरती पैदा की है। वे अपने तखल्लुस के माध्यम से लहरों, साहिलों और तूफानों से खेलते, जूझते और उन्हें चुनौती देते हुए नजर आते हैं। डॉ. शेरजंग गर्ग ने उनके इस मक़्ता-प्रयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा है कि पूर्ववर्ती या समकालीन पीढ़ी के अनेक शायरों ने तखल्लुस रखे, मगर अपने उपनाम का इतना सटीक और सार्थक अंदाज कोई और नहीं दे पाया जैसा देवेन्द्र माँझी ने दिया है।

3. गीत और नवगीतः प्रकृति, प्रेम और दर्शन का त्रिवेणी संगम गजल के साथ-साथ देवेन्द्र माँझी ने गीत और नवगीत विधा में भी अत्यंत उत्कृष्ट रचनाएँ की हैं। उनका संग्रह हंस अकेला उड़ जाता है उनके गीतों की संरचनात्मक विविधता और वैचारिक गहराई का प्रामाणिक दस्तावेज है।

भारतीय सनातन परंपरा के अनुरूप माँ शारदे की वंदना से प्रारंभ होने वाले इन गीतों में राष्ट्रभक्ति, प्रेम, श्रृंगार और जीवन के दार्शनिक पहलुओं का अद्भुत चित्रण है। वे स्वयं को तुलसी का वंशज और फक्कड़ कबीर की पद-रज मानते हैं और जीवन में सत्य बोलने की शपथ लेते हैं। उनके गीतों में जीवन-संघर्ष के सत्य को उजागर किया गया है, जहाँ वे मानते हैं कि बिना सींचे और सँवारे उपवन में फूल नहीं खिलते।

माँझी जी के गीतों में श्रृंगार-रस से सराबोर अनुपम रचनाएँ हैं (जैसे चाँदनी की देह को चूमा करूँ) और साथ ही आधुनिक काल के निरुद्देश्य जीवन पर गहरा कटाक्ष भी है। वे मानव जीवन की नश्वरता को समझाते हुए लिखते हैं कि यह देह एक दुर्लभ खिलौना है जो एक दिन टूट जाता है और हंस अकेला उड़ जाता है। उनके गीतों में प्रतीकों और उपमानों का जादुई प्रयोग हुआ है, जो पाठक को भाव-विभोर कर देता है। अब उनके गीतों का नया संग्रह "हम तुम सब कस्तूरी मृग हैं" जल्दी ही पाठकों के हाथों में आने वाला है। 4. दोहा साहित्यः सामाजिक विसंगतियों और यथार्थ का दर्पण देवेन्द्र माँझी का दोहा-संग्रह झुकी पीठ पर बोझ उनके साहित्यिक अवदान का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। उनके दोहों का कथ्य मुख्य रूप से गरीबी, रिश्ते-नाते, झूठ, छल-कपट, शोषण, वेश्यावृत्ति, संवेदनहीनता और राजनीतिक विद्रूपताओं से जुड़ा है। वे मानते हैं कि मनुष्य के जीवन में गरीबी सबसे बड़ा अभिशाप है, जो उसे मजबूर कर देती है। उनके दोहे आम आदमी की उस पीड़ा को स्वर देते हैं जहाँ एक मजदूर खाली पेट सोने को विवश है और एक भूखी माँ के सूखे स्तनों को चूसकर बच्चा बिलख रहा है।

माँझी जी ने गरीबी के कारण उत्पन्न होने वाली अनैतिकता और देह-व्यापार में फँसी लड़कियों की व्यथा-कथा को भी अपने दोहों में अत्यंत मार्मिक ढंग से अभिव्यक्त किया है। समाज में पनपते पाखंड, पुलिस और अपराधियों की मिलीभगत और सत्ता के खेल पर उनके दोहे तीखा प्रहार करते हैं। उनका दोहा साहित्य समाज के उस कुरूप चेहरे को सामने लाता है जिसे अक्सर चकाचौंध के पीछे छिपा दिया जाता है।

5. विश्व का सबसे बड़ा तुकान्तकोश और मात्रिक उर्दू-हिंदी कोश : कविता और साहित्य सृजन के अतिरिक्त देवेन्द्र माँझी का सबसे बड़ा, ऐतिहासिक और शोधपरक अवदान उनके द्वारा निर्मित कोश हैं। उन्होंने विश्व का सबसे बड़ा और सम्पूर्ण तुकान्त-कोश (अद्भुत लयात्मक शब्द-सागर) तैयार किया है, जिसे इण्डिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया और इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। लगभग दो हजार पृष्ठों का यह माँझी तुकान्त कोश (दो खंडों में) नवोदित और स्थापित दोनों प्रकार के कवियों और शायरों के लिए एक वरदान है।

राशन वितरण केंद्र पर अव्यवस्था से परेशान लाभार्थी, भीषण गर्मी में घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर

महेंद्र प्रसाद शर्मा

हरियाणाः हरियाणा के नारनौल शहर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन वितरण व्यवस्था को लेकर लाभार्थियों ने गंभीर अव्यवस्थाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है। आरोप है कि राशन लेने के लिए आने वाले गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के लाभार्थियों को भीषण गर्मी में घंटों तक लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। उचित कतार प्रबंधन नहीं होने के कारण कई बार लोगों के बीच धक्का-मुक्की और विवाद जैसी स्थिति भी पैदा हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि राशन वितरण केंद्र पर लाइन की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। बड़ी संख्या में लाभार्थियों के एक साथ

पहुंचने से अव्यवस्था बढ़ जाती है, जिससे विशेष रूप से महिलाएं, बुजुर्ग और दिव्यांगजन सबसे अधिक परेशान होते हैं। उनका कहना है कि लंबे समय तक तेज धूप में खड़े रहने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

लाभार्थियों ने राशन वितरण प्रक्रिया में तकनीकी खामियों की ओर भी इशारा किया है। उनके अनुसार, गेहूं, सरसों का तेल और चीनी जैसी अलग-अलग सामग्री प्राप्त करने के लिए कई बार अलग-अलग बिल बनाए जाते हैं। प्रत्येक बिल के लिए लाभार्थी को बार-बार बायोमेट्रिक सत्यापन कराना पड़ता है। कई लोगों का कहना है कि एक ही व्यक्ति को तीन से चार बार अंगूठा लगाना पड़ता है, जिससे पूरी प्रक्रिया में अनावश्यक रूप से अधिक समय लगता है और लंबी कतारें लग जाती हैं।

लोगों का कहना है कि डिजिटल तकनीक के इस दौर में ऐसी व्यवस्था सवाल खड़े करती है। उनका मानना है कि यदि सभी राशन सामग्री का एक ही बिल तैयार किया जाए और केवल एक बार बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद पूरा वितरण कर दिया जाए, तो समय की बचत होगी और लाभार्थियों को राहत मिलेगी। इससे केंद्रों पर भीड़ भी कम होगी और वितरण प्रक्रिया अधिक सुचारु बन सकेगी।

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि राशन वितरण प्रणाली में शीघ्र सुधार किया जाए। उन्होंने महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए अलग कतार की व्यवस्था करने, डिजिटल प्रक्रिया को सरल बनाने तथा एक बार के बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद सभी राशन सामग्री उपलब्ध कराने जैसी व्यवस्थाएं लागू करने की अपील की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान किया जाता है, तो हजारों लाभार्थियों को राहत मिलेगी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बन सकेगी।

जन शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए अधिकारियों को दिए गए सख्त निर्देश

राजपूत रंजीत

हरियाणाः हिसार उपायुक्त महेंद्र पाल ने सभी विभागाध्यक्षों को हिदायत देते हुए कहा है कि वे विभिन्न माध्यमों से प्राप्त नागरिकों की शिकायतों को बिना किसी ठोस वजह के लंबित न रखें। वीरवार को लघु सचिवालय स्थित जिला सभागार में आमजन की समस्याएं सुनते हुए उन्होंने यह निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि बेवजह नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े। समाधान शिविर में गांव अग्रोहा के नागरिकों द्वारा गांव के कुछ व्यक्तियों द्वारा सरकारी सडक मार्ग पर अवैध कब्जा कर दुकान, मकान एवं सर्विस स्टेशन का निर्माण करने की शिकायत पर उपायुक्त ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को इन मामलों की जांच कर आगामी कार्यवाही करने को कहा। गांव

श्यामसुख निवासी कृष्ण कुमार द्वारा पचांयती भूमि की खाली पड़ी जमीन पर धर्मशाला बनाने व सरकारी रास्ते पर कब्जा संबंधी शिकायत पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने जिला विकास व पचांयत अधिकारी को नागरिकों के समक्ष आ रही समस्या के निदान के लिए आगामी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

चौधरी कॉलोनी निवासी जयसिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि एक व्यक्ति द्वारा उसकी जमीन पर कब्जा करने के साथ-साथ उसके बच्चों को डराने के मामले पर तथा गांव खारिया की वरिष्ठद महिला द्वारा पड़ोसियों द्वारा अभद्रता, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी की शिकायत पर उपायुक्त ने पुलिस विभाग को दोनों मामलों पर विभागीय कार्यवाही करते हुए जल्द से जल्द कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।

मकान टूटने के 4 महीने बाद भी नहीं हुआ पुनर्वास, प्रभावित परिवारों में बढ़ा आक्रोश

माहेश्वरी कांजीभाई नारणभाई

गुजरातः गांधीधाम गुजरात के गांधीधाम में महानगरपालिका की कार्रवाई के बाद बेघर हुए गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का पुनर्वास अब तक नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्रभावित परिवारों का आरोप है कि मकान तोड़े जाने के करीब तीन से चार महीने बीत चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक उनके पुनर्वास या वैकल्पिक आवास की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की है। प्रभावित लोगों का कहना है कि कार्रवाई के बाद से वे लगातार अस्थायी स्थानों पर रहने को मजबूर हैं। उनका आरोप है कि बार-बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। इससे कई परिवारों के सामने

रहने, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने का संकट खड़ा हो गया है।

अपनी मांगों को लेकर प्रभावित परिवारों ने लगातार 18 दिनों तक धरना-प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। उनका कहना है कि यदि जल्द पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रभावित लोगों की प्रमुख मांग है कि जिन परिवारों के मकान हटाए गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द वैकल्पिक आवास या पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उनका कहना है कि प्रशासन को संवैधानिक और मानवीय आधार पर प्रभावित परिवारों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

वहीं, इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि विकास कार्यों के साथ-साथ प्रभावित नागरिकों के अधिकारों और पुनर्वास का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में प्रभावित परिवार प्रशासन के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा।

महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों पर घिरी सरकार, विपक्ष ने खोला मोर्चा

राजपूत रंजीत

गुजरातः महंगाई बेरोजगारी और सरकारी नीतियों को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र और राज्य सरकारों पर हमलावर है। विपक्ष का आरोप है कि गलत आर्थिक फैसलों और नीतियों के कारण देश में महंगाई बेकाबू हो गई है और युवाओं के बीच बेरोजगारी का संकट गहराता जा रहा है।विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे प्रमुख मुद्दे और आपत्तियां इस प्रकार हैं:बेरोजगारी का संकटः विपक्ष का दावा है कि शिक्षित युवाओं को पर्याप्त रोजगार नहीं मिल रहा है, जिससे बेरोजगारी की दर काफी बढ़ गई है।बढ़ती महंगाईः आम आदमी की रसोई के बजट, खाद्य पदार्थों, और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हो रही वृद्धि को लेकर सरकार को घेरा जा रहा है।

सरकारी नीतियां और कृषि संकटः सरकार की आर्थिक, औद्योगिक और कृषि नीतियों पर सवाल उठाते हुए विपक्ष का आरोप है कि इससे आम जनता और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोगः विपक्ष यह भी आरोप लगाता है कि इन जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों को डराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों (जैसे ईडी और सीबीआई) का इस्तेमाल किया जा रहा है।जंतर-मंतर आंदोलन के प्रमुख अपडेट्सःआंदोलन की मुख्य माँगेंः शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, मृत छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ का मुआवजा, और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कोई कानूनी कार्रवाई न करना शामिल है। सोनम वांगचुक का अनशनः कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है और स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, फिर भी वे अपनी मांग पर डटे हुए हैं।विपक्ष का समर्थनः कांग्रेस, सपा, और आप सहित तमाम विपक्षी दलों के नेता प्रदर्शनकारियों और अनशनकारियों का समर्थन कर रहे हैं।बढ़ता तनावः संसद के मानसून सत्र के दौरान सुरक्षा सख्त कर दी गई है, और प्रदर्शनकारियों व सुरक्षा बलों के बीच टकराव के कारण कई मेट्रो स्टेशन भी बंद करने पड़े हैं।सरकारी रुखः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक मामलों को लेकर फास्ट-ट्रैक कोर्ट के जरिए सख्त सजा सुनिश्चित करने की बात कही है।

इंस्टाग्राम पर आत्महत्या की स्टोरी लगाने वाले 11वीं के छात्र की मौत, परिजनों ने लगाए हत्या के आरोप

श्रवण

उत्तर प्रदेशः सीतापुर जिले के महमूदाबाद क्षेत्र में इंस्टाग्राम पर आत्महत्या से जुड़ी स्टोरी पोस्ट करने वाले 11वीं कक्षा के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं, मृतक के परिजनों ने कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के सेमरा भुड़कुड़ा गांव निवासी 16 वर्षीय आयुष वर्मा, जो 11वीं कक्षा का छात्र था, ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आत्महत्या

से संबंधित एक स्टोरी पोस्ट की थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से मिली सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस सक्रिय हुई और छात्र को कोतवाली बुलाकर उससे बातचीत की। पुलिस ने उसकी काउंसलिंग की और समझाइश देने के बाद उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बताया जा रहा है कि घर लौटने के कुछ ही समय बाद आयुष की अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे तत्काल महमूदाबाद के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। हालांकि, लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

छात्र की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार का आरोप है कि यह सामान्य मौत नहीं है और कुछ लोगों की भूमिका संदिग्ध है। परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका जताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की है। दूसरी ओर, पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। छात्र की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर लगाया जाएगा। पुलिस ने कहा कि यदि जांच में किसी व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है, तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही छात्र की मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

हांसी में स्वच्छता अभियान हुआ तेज, पांच वार्डों में चला सफाई अभियान

राजपूत रंजीत

हरियाणाः हांसी नगर आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) लक्षित सरीन के मार्गदर्शन में नगर परिषद की ओर से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से विशेष स्वच्छता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को वार्ड नंबर 2, 6, 11, 18 और 25 में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान संबंधित वार्डों की मुख्य सड़कों, गलियों, सार्वजनिक स्थलों, पार्कों और बाजार क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। सफाई कर्मियों ने कूड़ा-कचरा एकत्र कर उसका समयबद्ध निस्तारण किया। साथ ही जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए नालियों की विशेष सफाई भी कराई गई।

नगर परिषद ने बताया कि जिन क्षेत्रों में आवश्यकता महसूस हुई, वहां अतिरिक्त सफाई कर्मियों और मशीनरी की भी तैनाती की गई, ताकि अभियान को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके और स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनी रहे। नगर

एक नजर

कई गांवों में दिनों से बिजली गुल, भीषण गर्मी में पेयजल संकट से लोग बेहाल

श्रवण/उत्तर प्रदेशः अटरिया सीतापुर क्षेत्र में कई दिनों से गांवों में बिजली आपूर्ति थप हो जाने से लोगो को भारी परेशानी का सामना उठाना पड़ रहा है। सिधौली उपकेंद्र से पोषित गंधौली फीडर की विद्युत व्यवस्था रविवार सुबह करीब पांच बजे से

ससेना, कसावा, बहादुरपुर, गंगापूर,कठवा, बैसुवा, अनवरपुर फतेखेरवा, हिम्मतनगर, फलासपुर समेत आस पास के गांवों में बिजली नहीं आयी। बिजली आपूर्ति बधित होने से पेयजल व्यवस्था प्रभावित रही और उमस भरी गर्मी में लोगो का जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। घरेलू कार्यो के साथ साथ दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को भी दिक्कत का सामना उठाना पड़ा।लम्बे समय से बिजली बाधित रहने से क्षेत्र के अधिकांश गांव अंधेरे में डूब रहे और विद्युत उपकरण भी शॉपिन बन गये। गंधौली फीडर के तमाम ग्रामीण उपभोक्ताओं कहना है की सिधौली पावर हाउस के जिम्मेदार अधिकारी रउद्ध फोन नहीं उठाते है। कई जगहों पर तार जलकर टूट गये है कोई सही करने वाला नहीं है। विभाग बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। सिधौली बिजली विभाग ने बताया की विद्युत व्यवस्था सही की जा रही है।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में सपा ने किया प्रदर्शन, तहसील तक पैदल मार्च कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

देवेश यादव/दिल्लीः छात्रों पर कथित लाठीचार्ज की घटना के विरोध में समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने आल्हा चौक से सदर तहसील तक पैदल मार्च निकालकर केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद सदर तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी व्यक्त की। प्रदर्शन के दौरान सपा नेताओं ने जौहर यूनिवर्सिटी पर प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग उठाई। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल रही है।

सपा नेताओं ने पेपर लीक के मामलों को लेकर भी केंद्र और प्रदेश सरकार को घेरा। उनका आरोप था कि लगातार हो रहे पेपर लीक से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और सरकार इस पर प्रभावी कार्रवाई करने में नाकाम रही है। प्रदर्शन की शुरूआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद कार्यकताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। यह पूरा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित सदर तहसील परिसर का है।

नरवर किले से 500 साल पुरानी 3 टन वजनी ऐतिहासिक तोप हुई चोरी, अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरोह पर शक

माहेश्वरी कांजीभाई नारणभाई

मध्य प्रदेशः शिवपुरी जिले से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। देश की अमूल्य ऐतिहासिक धरोहर माने जाने वाले नरवर किले से करीब 500 वर्ष पुरानी और लगभग 3000 किलोग्राम वजनी प्राचीन तोप चोरी हो गई है। इस वारदात के सामने आने के बाद पुरातत्व विभाग और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, देर रात करीब 30 हथियारबंद बदमाश क्रेन और बड़े ट्रक के साथ नरवर किले में पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों ने योजनाबद्ध तरीके से विशालकाय तोप को क्रेन की मदद से ट्रक में लादा और मौके से फरार हो गए।

बताया जा रहा है कि यह दुर्लभ ऐतिहासिक तोप अंतरराष्ट्रीय एंटीक बाजार में करोड़ों रुपये की कीमत रखती है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि इस चोरी के पीछे किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय एंटीक तस्कर गिरोह का हाथ हो सकता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और पुरातत्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज, साइबर सेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। फिलहाल पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इतनी भारी-भरकम तोप को किले से बाहर ले जाने में किन-किन लोगों की भूमिका रही और क्या इस वारदात में किसी स्थानीय व्यक्ति की संलिप्तता भी शामिल है। यह चोरी प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

शिक्षकों की मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन तेज, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा सात सूत्रीय ज्ञापन

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा तृतीय श्रेणी शिक्षक संवर्ग की वर्षों से लंबित और उपेक्षित समस्याओं के समाधान के लिए प्रदेशव्यापी आंदोलन का दूसरा चरण तेज कर दिया गया है। संगठन के आह्वान पर जिलाध्यक्ष जयदर्थ यादव के नेतृत्व में शिक्षकों ने जिला कलक्टर को मुख्यमंत्री के नाम सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष जयदर्थ यादव ने बताया कि सरकार की उदासीनता के चलते शिक्षक समुदाय में गहरा असंतोष व्याप्त है। वर्ष 2018 के बाद से तृतीय श्रेणी शिक्षक, प्रबोधक, शारीरिक शिक्षक और पुस्तकालयाध्यक्षों के तबादले नहीं किए गए हैं, जबकि अन्य संवर्गों के स्थानांतरण नियमित रूप से हो रहे हैं।

शिक्षक संघ की 07 प्रमुख मांगें : वर्ष 2018 से लंबित तृतीय श्रेणी शिक्षक संवर्ग, प्रबोधक, शारीरिक शिक्षक एवं पुस्तकालयाध्यक्षों के तबादले तुरंत किए जाएं। तृतीय श्रेणी से द्वितीय श्रेणी में लंबे समय से अवरुद्ध पदोन्नति की प्रक्रिया को सुचारू

किया जाए। शिक्षकों के उपार्जित अवकाश, एरियर राशि और सेवानिवृत्त शिक्षकों के पेंशन प्रकरणों पर लगी अघोषित रोक हटाकर तत्काल भुगतान किया जाए। वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर वर्षों बाद रीट परीक्षा उत्तीर्ण करने का अनुचित दबाव बनाना बंद हो। तृतीय श्रेणी शिक्षकों पर जारी ह्लपे प्रोटेक्शनह्ल आदेशों के आधार पर की जा रही वेतन रिकवरी को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। शिक्षा विभाग में स्टाफिंग पैटर्न लागू कर नए पदों का सृजन किया जाए और रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए। पिछले वर्ष अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हुए विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण के लिए विशेष बजट जारी किया जाए।

जयपुर में बड़े आंदोलन की चेतावनी : जिला अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही शिक्षक संगठनों को वार्ता के लिए आमंत्रित कर समस्याओं का सकारात्मक समाधान नहीं निकाला, तो संगठन राजधानी जयपुर में एक व्यापक और निर्णायक आंदोलन की रणनीति तैयार करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। प्रदर्शन में कोटपूतली ब्लॉक अध्यक्ष हजारीलाल गुर्जर, बानसूर ब्लॉक अध्यक्ष राजाराम चौधरी, बहरोड ब्लॉक अध्यक्ष रामभरोस यादव, नारायणपुर ब्लॉक अध्यक्ष शीशराम गुर्जर, विराटनगर ब्लॉक अध्यक्ष शंकर यादव सहित मंत्री मनोज कुमार, हवासिंह कसाना, जिला कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, सुनील कुमार, पूर्व एडीईओ राजेंद्र प्रसाद यादव, बानसूर सभाध्यक्ष दाताराम यादव, सभाध्यक्ष नीमराना देवेन्द्र यादव, मुरारीलाल, पूर्णचंद सैनी, हरपाल नेताजी, महेंद्र, ईश्वर सिंह, दीनदयाल, हरिराम मीणा, मक्खनलाल गुर्जर, कैलाश यादव एवं सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

भाजपा का बूथ सत्यापन सम्मेलन हुआ आयोजित, संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः उत्तर प्रदेश के सहारनपुर देहात विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की ओर से बूथ सत्यापन सम्मेलन का आयोजन किया गया। गागलहेड़ी स्थित नागल रोड के विरासत पैलेस में आयोजित इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सत्येंद्र तोमर उपस्थित रहे। उनके साथ सहारनपुर महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई गोयल, पूर्व महापौर संजीव बालियान, महानगर महामंत्री किशोर शर्मा, ललित कटारिया, योगेंद्र लाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। सम्मेलन के दौरान सत्येंद्र तोमर का अंगवस्त्र और पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया।

सम्मेलन में संगठन की मजबूती, बूथ सत्यापन अभियान और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अपने संबोधन में सत्येंद्र तोमर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय संगठन है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण और मेहनत से संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने "मेरा बूथ सबसे मजबूत" का संकल्प दोहराया। सम्मेलन में महानगर एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, मातृशक्ति और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पार्टी नेताओं ने सभी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

बरवाला थाने में PPCC बैठक हुई आयोजित, पुलिस-जन सहयोग मजबूत करने पर दिया जोर

राजपूत रंजीत

हरियाणाः हिसार पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निर्देशानुसार थाना बरवाला में पुलिस-पब्लिक कोऑर्डिनेशन कमेटी (PPCC) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक करमजीत सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों और सामाजिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा सुरक्षित समाज के निर्माण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, यातायात नियमों की पालना, साइबर अपराधों से बचाव और सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग को लेकर लोगों को जागरूक किया। बैठक के दौरान नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और अपराध मुक्त समाज बनाने में आमजन की भूमिका पर भी चर्चा हुई। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध, आपराधिक या असामाजिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

थाना प्रभारी निरीक्षक करमजीत सिंह ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल ही सुरक्षित समाज की मजबूत नींव है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। बैठक में उपस्थित नागरिकों ने हिसार पुलिस द्वारा जनहित और अपराध नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और भविष्य में पुलिस का सहयोग करने का आश्वासन दिया। पुलिस ने बताया कि आमजन के साथ संवाद बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे।

महोबा की बेटी सौम्या त्रिवेदी ने ठएएळ परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर बढ़ाया जिले का गौरव

देवेश यादव

उत्तर प्रदेशः महोबा जनपद के चरखारी नगर क्षेत्र की बेटी सौम्या त्रिवेदी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा ठएएळ में शानदार रैंक हासिल कर जिले और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोग उन्हें लगातार बधाई एवं शुभकामनाएं देने पहुंच रहे हैं। सौम्या त्रिवेदी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सौम्या की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

परिजनों ने बताया कि सौम्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है और घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने भी उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। चरखारी नगर में सौम्या के सम्मान में लोगों द्वारा उनका स्वागत किया जा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि उनकी सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है। कई लोगों ने इसे किसी उत्सव से कम नहीं बताया और कहा कि बेटियों की शिक्षा एवं सफलता समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश देती है।

शिक्षकों ने विश्वास जताया कि सौम्या आगे चलकर एक सफल चिकित्सक बनेंगी और समाज की सेवा करेंगी। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी परीक्षा में सफलता हासिल की जा सकती है। सौम्या त्रिवेदी की इस उपलब्धि पर महोबा जिले सहित पूरे चरखारी क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वह आगे भी इसी तरह सफलता की नई ऊंचाइयों को छूकर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

मोंट फोर्ट स्कूल की प्रधानाचार्या ने थानाध्यक्ष से की शिष्टाचार भेंट, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः गागलहेड़ी स्थित मोंट फोर्ट स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती चारू जैन ने स्थानीय थाना परिसर पहुंचकर थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस विभाग द्वारा कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। भेंट के दौरान प्रधानाचार्या चारू जैन ने विद्यालय की ओर से थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक पौधा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया। उन्होंने कहा कि किसी भी सम्मान का सबसे बेहतर स्वरूप पौधा लगाना है, क्योंकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का माध्यम बनता है।

प्रधानाचार्या ने कहा कि स्वच्छ, हरित और संतुलित पर्यावरण ही स्वस्थ समाज की पहचान है। उन्होंने बताया कि मोंट फोर्ट स्कूल विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता की भावना विकसित करने के लिए समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। भविष्य में भी विद्यालय ऐसे जनहित और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अभियानों को निरंतर जारी रखेगा। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने पौधा भेंट करने के लिए विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ लोगों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास भी कराते हैं।

एक नजर

संचालन कारणों के चलते 13 ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर रेलवे ने परिचालन संबंधी कारणों से शनिवार को चलने वाली कई ईएमयू और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया। साथ ही कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से चलाया गया। ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होने से दिल्ली, गाजियाबाद, पलवल, खुर्जा, दनकौर, पानीपत, मथुरा, कोसीकलां, रोहतक और आसपास के रूटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। रेलवे के अनुसार, दिल्ली जंक्शन-दनकौर, शकूरबस्ती-दनकौर, दिल्ली जंक्शन-खुर्जा, दिल्ली जंक्शन-हाथरस किला, दिल्ली जंक्शन-पानीपत, नई दिल्ली-गाजियाबाद, दिल्ली जंक्शन-गाजियाबाद, नई दिल्ली-पलवल और गाजियाबाद-टूंडला सहित कुल 13 ट्रेनों को रद्द किया गया है। इनके साथ जुड़ी लिंक रेक सेवाएं भी प्रभावित रहीं। इसके अलावा शकूरबस्ती-मथुरा और नई दिल्ली-कोसीकलां जाने वाली ट्रेनों को पलवल तक ही चलाया गया। वहीं, नई दिल्ली-रोहतक और रोहतक-नई दिल्ली ट्रेनें बहादुरगढ़ तक ही संचालित हुईं। उत्तर रेलवे ने यात्रियों से यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है।

दक्षिण एशियाई कराटे चैंपियनशिप में अनीकेत गुप्ता ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के ढाका में आयोजित 10वीं दक्षिण एशियाई कराटे चैंपियनशिप में दिल्ली कराटे खिलाड़ी अनीकेत गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीनियर पुरुष टीम काता स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में दक्षिण एशिया के छह देशों के 500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस जीत के साथ अनीकेत गुप्ता ने आधिकारिक दक्षिण एशियाई कराटे चैंपियनशिप में अपने कॅरिअर का 13वां पदक हासिल किया। लगातार नौवीं बार इस प्रतियोगिता के पोडियम पर स्थान बनाकर उन्होंने एक नया कीर्तिमान भी स्थापित किया। अब तक उनके खाते में नौ स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक दर्ज हो चुके हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर आयकर विभाग, दिल्ली, एक्सएमए अकादमी इंडिया और कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन के पदाधिकारियों ने बधाई देते हुए इसे भारतीय कराटे के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया।

दिल्ली की पहली महिला महापौर शकुंतला आर्या का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा की पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष और वर्ष 1997 में दिल्ली की पहली महिला महापौर बनीं शकुंतला आर्या का 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार लोधी रोड श्मशान घाट पर परिजनों, भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों की उपस्थिति में किया गया। दिल्ली नगर निगम की ओर से महापौर प्रवेश वाही तथा दिल्ली भाजपा की ओर से प्रदेश महामंत्री योगिता सिंह ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विधायक तरविंद्र सिंह मारवाह, नीरज बसोया, निगम पार्षद अर्जुन मारवाह और मयूर विहार जिला अध्यक्ष विजेंद्र धामा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शकुंतला आर्या के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय तक संगठन और समाज के लिए समर्पित भाव से कार्य किया। उन्होंने महिला शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया और महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रेरणास्रोत रहीं। उन्होंने कहा कि महापौर के रूप में वर्ष 1997 में चलाया गया उनका स्वच्छ दिल्ली अभियान जनजागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बना। पार्टी ने उनके निधन को सार्वजनिक जीवन और सामाजिक सेवा के क्षेत्र की अपूरणीय क्षति बताया।

श्री भोले जी महाराज के जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय जनकल्याण समारोह का शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु एवं द हंस फाउंडेशन के प्रेरणास्रोत श्री भोले जी महाराज के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर श्री हंसलोक आश्रम, छतरपुर में तीन दिवसीय विशाल जनकल्याण समारोह का विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। हंस ज्योति-ए, हंस कल्चरल सेंटर, दिल्ली द्वारा आयोजित इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्त भाग ले रहे हैं। समारोह को संबोधित करते हुए माताश्री मंगला जी ने कहा कि भारत संतों और महापुरुषों की पावन भूमि है। भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरु नानक, स्वामी विवेकानंद, श्री हंस जी महाराज तथा छत्रपति शिवाजी जैसे महापुरुषों ने अध्यात्म ज्ञान के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि इन संतों ने स्वयं ईश्वर की अनुभूति कर मानवता को भक्ति, सेवा और सदाचार का मार्ग दिखाया। माताश्री मंगला जी ने कहा कि वर्तमान समय में समाज अध्यात्म के मार्ग से दूर होता जा रहा है, जिसके कारण हिंसा, अशांति, अराजकता और नैतिक पतन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में युवा नशे की प्रवृत्ति की ओर बढ़ रहे हैं, जो समाज और राष्ट्र के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे स्वयं अध्यात्म ज्ञान को अपनाकर भजन-सुमिरण करें तथा अपने बच्चों को भी संस्कार, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक जीवन से जोड़ें। उन्होंने कहा कि अध्यात्म ज्ञान का व्यापक प्रचार-प्रसार ही समाज में सकारात्मक और रचनात्मक परिवर्तन ला सकता है।

गृहकर और जलकर में छूट का लाभ 31 जुलाई तक, नगर निगम ने बढ़ाया टैक्स जमा करने का समय

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः नगर निगम ने गृहकर और जलकर पर दी जा रही विशेष छूट का लाभ उठाने के लिए करदाताओं से 31 जुलाई तक टैक्स जमा करने की अपील की है। नगरायुक्त शिपू गिरि ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि के बाद किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। साथ ही करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम के कैश काउंटर के संचालन समय में भी बदलाव किया गया है। नगरायुक्त के निदेर्शानुसार अब नगर निगम परिसर स्थित कैश काउंटर सुबह 8:00 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुला रहेगा, ताकि अधिक से अधिक करदाता समय पर अपना गृहकर और जलकर जमा कर सकें। इसके लिए नगर निगम के राजस्व विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

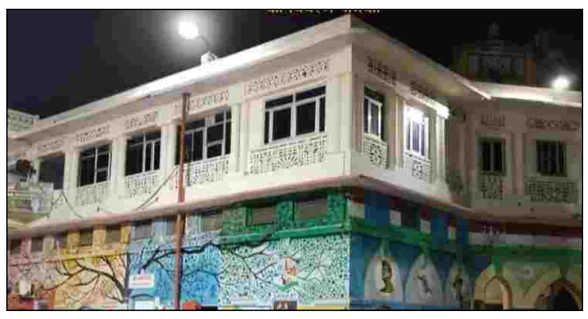

नगर निगम प्रशासन का कहना है कि करदाताओं की बढ़ती संख्या और सुविधा को देखते हुए काउंटर के समय में विस्तार किया गया है, जिससे लोगों को लंबी कतारों और समय की परेशानी का सामना न करना पड़े। कैश काउंटर के संचालन, पर्यवेक्षण और व्यवस्था की जिम्मेदारी मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को सौंपी गई है। नगरायुक्त शिपू गिरि ने बताया कि नगर निगम द्वारा गृहकर और जलकर में दी जा रही छूट केवल 31 जुलाई तक ही प्रभावी रहेगी। इसके बाद करदाताओं को निर्धारित नियमों के अनुसार पूरा टैक्स जमा करना होगा और किसी प्रकार की रियायत नहीं मिलेगी। उन्होंने नागरिकों से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते कर जमा करने की अपील की है। नगर निगम प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि इस व्यवस्था से अधिक से अधिक लोग समय पर टैक्स जमा करेंगे, जिससे नगर निगम की राजस्व व्यवस्था मजबूत होगी और शहर में विकास कार्यों को गति मिलेगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे उपलब्ध छूट का लाभ उठाते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना गृहकर और जलकर अवश्य जमा करें।

जंतर-मंतर पर छात्र सत्याग्रह में जुटे युवा, कांग्रेस नेता तारा पूतली ने कार्यकताओं संग जताया समर्थन

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे छात्र सत्याग्रह को देशभर से समर्थन मिल रहा है। आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्र जुटे हैं और अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन के बीच प्रशासन द्वारा धरना स्थल और आसपास के क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगाए जाने की भी चर्चा रही। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इंटरनेट बंद होने के बावजूद उनके हौसले बुलंद हैं और वे न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे। धरना स्थल पर छात्र नेता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि अनशन पर बैठे हैं, जबकि अन्य छात्र आंदोलन में शामिल लोगों के लिए पानी, खाद्य सामग्री और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आपसी सहयोग और एकजुटता ही इस आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत है।

इस बीच कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष तारा पूतली ने सावन मीणा, रवि मीणा, नवीन आर्य, सचिन धनकड़, अंकित शर्मा सहित अन्य कार्यकताओं के साथ जंतर-मंतर पहुंचकर छात्र सत्याग्रह में भाग लिया और आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

तारा पूतली ने कहा कि छात्र अपने अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने आंदोलन में शामिल छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि सत्य और न्याय की इस लड़ाई में देश का युवा पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। हालांकि, आंदोलन की मांगों और प्रशासनिक कदमों को लेकर संबंधित पक्षों की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

अतिक्रमण हटाने का अभियान हुआ तेज, नगर निगम ने कई प्रमुख मार्गों पर की कार्रवाई

राजपूत रंजीत

हरियाणाः हिसार शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के उद्देश्य से नगर निगम हिसार का विशेष अभियान लगातार जारी है। मेयर प्रवीण पोपली के निर्देश और अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा के मार्गदर्शन में नगर निगम की टीमों ने गुरुवार को शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और बाजारों में अतिक्रमण हटाने की व्यापक कार्रवाई की। नगर निगम की टीम ने एचएयू गेट नंबर-2 से मलिक चौक और परिजात चौक, बस स्टैंड से सिरसा चुंगी तथा तलाकी गेट से विश्वकर्मा धर्मशाला (ऋषि नगर) तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया। इसके अलावा दिल्ली रोड स्थित एमसी डीसी कॉलोनी, अर्बन एस्टेट से जिंदल चौक, मिलगेट रोड, नई सब्जी मंडी, जिंदल पार्क, कैंची चौक, नागौरी गेट से सिटी थाना रोड तथा गुलाब सिंह चौक से पड़ाव चौक तक भी अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

कार्रवाई के दौरान राजगुरु मार्केट में सड़क और बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण करने पर नगर निगम की टीम ने चार रेहड़ियां जब्त कीं। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य बाजारों और मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित होने से रोकना और आम नागरिकों को जाम की समस्या से राहत दिलाना है। नगर निगम ने शहर के दुकानदारों और नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करने की अपील की है। निगम प्रशासन

पंजाब में कथित पेपर लीक मामले के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री एवं वरिष्ठ सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाब में कथित तौर पर सामने आए पेपर लीक के मामलों को लेकर पंजाब सरकार से जवाबदेही तय करने और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसी राज्य में बार-बार प्रतियोगी परीक्षाओं की गोपनीयता पर सवाल उठते हैं, तो सरकार का दायित्व है कि वह समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच कराए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कई प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के बावजूद अब तक स्पष्ट जवाबदेही तय नहीं की गई है। मंत्री सिरसा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता दिल्ली में छात्रों के आंदोलनों और प्रदर्शनों में मंच साझा करते हैं तथा केंद्र सरकार पर लगातार सवाल उठाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में छात्रों को आंदोलन के लिए भ्रमित किया जाता है और सरकार पर दबाव बनाने की राजनीति की जाती है, लेकिन जब पंजाब में कथित तौर पर एक के बाद एक पेपर लीक के मामले सामने आते हैं, तब वही लोग पूरी तरह चुप्पी साध लेते हैं। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों के भविष्य की चिंता वास्तव में है, तो वह केवल दिल्ली तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

संक्षिप्त

चेन यू फेई से हारकर पीवी सिंधु चाइना ओपन से हुई बाहर

बीजिंग, एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु गुरुवार को चीन की चेन यू फेई से हारने के बाद चाइना ओपन 2026 से बाहर हो गई है। आज यहां पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन सुपर 1000 के राउंड ऑफ़ 16 में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी चेन यू फ़ेई से तीन-गेम तक चले मुकाबले 21-16, 20-22, 18-21 में हार गईं। सिंधु ने पिछले सप्ताह जापान ओपन के सेमीफाइनल में चेन को हराया था 'जब चीनी खिलाड़ी चोट के कारण हट गई थीं'। सिंधु ने आज अच्छी शुरुआत की और पहला गेम 21-16 से जीता। तब ऐसा लग रहा था कि भारतीय खिलाड़ी एक सप्ताह में चेन के खिलाफ दूसरी जीत हासिल कर लेंगी, क्योंकि दूसरे गेम में 20-16 के स्कोर पर उनके पास चार मैच पॉइंट थे, लेकिन हैरानी की बात है कि चेन ने वापसी करते हुए लगातार छह पॉइंट जीतकर दूसरा गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया।

अनाहत विश्व जूनियर स्क्वाश क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए मलेशियाई खिलाड़ी डॉयस ये सान ली को आसानी से हराकर कनाडा के ओंटारियो में चल रही विश्व स्क्वाश जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। महिला विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज और पिछली बार की कांस्य पदक विजेता अनाहत ने बुधवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की अपनी प्रतिद्वंद्वी को 11-4, 11-8, 11-3 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला मिस्र की हबीबा रिज्क से होगा। पुरुष वर्ग में हालांकि भारत को निराशा हाथ लगी तथा आर्यवीर दीवान अंतिम 16 से आगे नहीं बढ़ पाए। एशियाई अंडर-19 चैंपियन आर्यवीर अमेरिकी खिलाड़ी यासीन शलाबी से 4-11, 1-11, 5-11 से हार गए।

एमआरएफ पेस अकादमी में प्रशिक्षण लेंगे भारतीय मूल के आर्यन और सांघा

मेलबर्न, एजेंसी। भारतीय मूल के खिलाड़ी आर्यन शर्मा और जेसन सांघा को ऑस्ट्रेलिया की उस 'डेवलपमेंट टीम' में शामिल किया गया है जो अगले महीने एमआरएफ पेस अकादमी में प्रशिक्षण लेगी। ऑस्ट्रेलिया की यह टीम एमआरएफ अकादमी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एक से 13 अगस्त तक चेन्नई की यात्रा करेगी। अपने इस दौरे के दौरान यह टीम पांच से छह जून तथा 10 से 11 अगस्त को दो मैच खेलेगी। यह दोनों मैच दो दिवसीय होंगे और यह स्पिनरों के लिए अनुकूल पिचों पर खेले जाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, ''चेन्नई का दौरा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम के तहत देश के कुछ होनहार खिलाड़ियों को अपने खेल में निखार लाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

यूपीटी20 लीग का दो शहरों में आयोजन से लोगों को जोड़ने में मदद मिलेगी: संजय कपूर

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीटी20 लीग की संचालन परिषद के अध्यक्ष संजय कपूर ने कहा कि इस प्रतियोगिता को पहली बार दो अलग-अलग शहरों में आयोजित करने से साजो सामान संबंधी चुनौती पेश होगी लेकिन इससे अधिक लोगों को लीग से जोड़ने में मदद मिलेगी। चौथी यूपीटी20 लीग 14 अगस्त से लखनऊ और कानपुर में खेली जाएगी। टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में काशी रुद्र का मुकाबला मौजूदा चैंपियन मेरठ मावेरिक्स से होगा। कपूर ने बयान में कहा, ''इस लीग की नीलामी और मैचों का आयोजन अलग-अलग शहरों में करना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे हालांकि साजो सामान से जुड़ी कुछ चुनौतियां हैं लेकिन इससे अधिक लोगों को लीग से जोड़ने में मदद मिलेगी।

अय्यर की कप्तानी में भारत को मिली पहली जीत

- भारत की तरफ से मयंक यादव और प्रिंस यादव ने दो-दो विकेट चटकाए

हरारे, एजेंसी।

भारतीय टीम ने गुरुवार को हरारे में खेले गए पहले टी20 मैच में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट खोकर 125 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने वैभव सूर्यवंशी की तूफानी फिफ्टी के दम पर 40 गेंद रहते मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय टीम ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर 126 रन बनाए। भारत ने इससे पहले मयंक (18 रन पर दो विकेट) और प्रिंस (19 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी से जिम्बाब्वे को सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने एक-एक विकेट हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने भारत के खिलाफ पहले टी20 मैच में 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 125 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे की ओर से वेस्ली माधेवेरे ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि ताडिवनाशे मरुमानी ने नाबाद 27 रन बनाए। रेयान बर्ल ने 26 रन का योगदान दिया। भारत की तरफ से मयंक यादव और प्रिंस यादव ने दो-दो विकेट चटकाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। मयंक यादव ने पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को पवेलियन भेजा। चौथे ओवर में बेन करन प्रिंस यादव का शिकार बने। उन्होंने 8 गेंद में 10 रन बनाए। मंयक यादव ने इसके बाद डियोन मायर्स को पवेलियन का रास्ता दिखाया। उन्होंने 14 गेंद में 6 रन बनाए। शिवम दुबे ने कप्तान सिकंदर रजा को आउट किया, जोकि 7 गेंद में 4 रन ही बना पाए।, वेस्ली मधेवेरे 34 गेंद में 39 रन बनाकर रन आउट हुए।

तेज गेंदबाजों मयंक यादव और प्रिंस यादव की धारदार गेंदबाजी से भारत ने बृहस्पतिवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। लगभग दो साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे मयंक ने 18 जबकि प्रिंस ने 19 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने एक-एक विकेट हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने 14वें ओवर में 64 रन तक पांच विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद वेस्ली माधेवेरे (39 रन, 34 गेंद, तीन चौके, एक छक्का) और ताडिवनाशे मरुमानी (नाबाद 27, 20 गेंद, दो चौके, एक छक्का) ने छठे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर जिम्बाब्वे को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और गेंदबाजों ने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए पावर प्ले में ही मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 26 रन कर दिया।

मयंक ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने विकेटकीपर इशान किशन को कैच थमाया।

पदार्पण कर रहे बेन कुरेन (10) ने पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज अशोक शर्मा पर लगातार दो चौके मारे लेकिन प्रिंस यादव की गेंद को मिडविकेट पर वैभव सूर्यवंशी के हाथों में खेल गए।

भारतीय गेंदबाजों ने दिखाया कमाल

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। इसके बाद भारत के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की। टीम इंडिया के लिए वापसी कर रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कमाल किया और उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर विकेट हासिल किया। मयंक को दो सफलता मिली। अपने स्पेल के दौरान उन्होंने मात्र 18 रन खर्च किए, जिससे जिम्बाब्वे की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। जिम्बाब्वे के लिए सबसे बड़ी पारी वेस्ली मधेवेरे ने खेली, जिन्होंने 34 गेंदों पर 39 रन बनाए।

वैभव सूर्यवंशी ने खेली तूफानी पारी

126 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अभिषेक शर्मा के रूप में पहला झटका लगा। वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 23 रन की साझेदारी हुई। अभिषेक 8 गेंद में एक रन ही बना सके। इसके बाद सूर्यवंशी ने इवान्स की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा, जबकि मुजरबानी पर दो चौके और एक छक्का जड़कर पांचवें ओवर में भारत के रनों का अर्धशतक पूरा किया। वैभव सूर्यवंशी 19 गेंद में ताबड़तोड़ 50 रन बनाकर आउट हुए। 15 वर्षीय क्रिकेटर पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक जड़ने वाला सबसे युवा बल्लेबाज बना। ईशान किशन 24 गेंद में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 24 गेंद में नाबाद 28 रन बनाए। तिलक वर्मा ने 5 गेंद में 6 रन का योगदान दिया।

अगले हफ्ते की शुरुआत में जिदान को नया को घोषित कर सकता है फ्रांस

पेरिस, एजेंसी।

फ्रांस के नए फुटबॉल कोच की घोषणा मंगलवार को होगी और उम्मीद है कि डिडिएर डेसचैम्प्स की जगह जिनेदिन जिदान लेंगे।

फ्रांस फुटबॉल महासंघ ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि उसके अध्यक्ष फिलिप डियालो पेरिस में मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोच के नाम का ऐलान करेंगे।

जिदान (54 साल) ने 2021 में रियाल मैड्रिड छोड़ने के बाद से किसी टीम को कोचिंग नहीं दी है। मिडफील्ड के इस दिग्गज ने 2016-18 के दौरान मैड्रिड को लगातार तीन चैम्पियंस लीग खिताब दिलाए थे।

डेसचैम्प्स 14 साल तक फ्रांस के कोच रहे और विश्व कप के बाद पद छोड़ दिया जिसमें फ्रांस को सेमीफसइनल में स्पेन से हार का सामना करना पड़ा था।

डेसचैम्प्स की कोचिंग में फ्रांस ने 2018 में विश्व कप जीता और 2022 में पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया। टीम 2016 में अपने घरेलू मैदान पर यूरोपीय चैंपियनशिप का फाइनल भी हार गई थी।

जिदान ने 1998 के विश्व कप में टीम की खिताबी जीत के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने फाइनल में ब्राजील के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल किए थे। दो साल बाद जब फ्रांस ने यूरोपीय चैंपियनशिप जीती तब भी उन्होंने शानदार खेल दिखाया था। उन्होंने 1998 में पुरुषों का बेलोन डिओर खिताब भी जीता था।

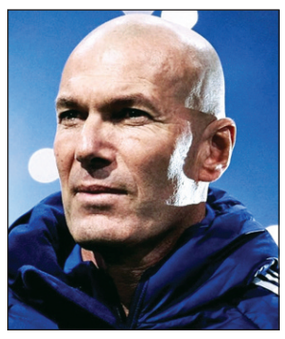

जिदान ने फ्रांस के लिए 108 मैच खेले और 31 गोल किए। इनमें 2006 विश्व कप फाइनल में पेनल्टी भी शामिल थी। उस मैच में इटली के डिफेंडर मार्को माटेराजी के सीने में सिर मारने की वजह से उन्हें अतिरिक्त समय में बाहर भेज दिया गया था और फ्रांस को हार का सामना करना पड़ा था।

फ्रांस का अगला मैच 25 सितंबर को नेशंस लीग में तुर्की के खिलाफ उनके मैदान पर होगा और इसके तीन दिन बाद बेल्जियम में मैच खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले इबादत हुसैन बाहर

ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज इबादत हुसैन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, इबादत अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण बांग्लादेश में ही रहेंगे और टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करेंगे।

बांग्लादेश की टीम 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र का हिस्सा है। फिलहाल बांग्लादेश डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में चौथे स्थान पर है और इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा। हालांकि इबादत की गैरमौजूदगी के बीच टीम को एक राहत भी मिली है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की बेहतर तैयारी के लिए श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) से अपना नाम वापस ले लिया है।

तस्कीन ने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी करना है।

नाहिद राणा और लिटन दास की फिटनेस पर नजर

बांग्लादेश के लिए एक और चिंता तेज गेंदबाज नाहिद राणा की फिटनेस है। उनके शरीर के साइड हिस्से में लगी चोट की स्कैन रिपोर्ट का टीम प्रबंधन को इंतजार है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज लिटन दास भी पिंडली (काफ) की चोट से उबर रहे हैं और टीम को उम्मीद है कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश की टीम अगले महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया पहुंचेगी, जहां 3 अगस्त से डार्विन में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी।

लवलीना ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पहला पदक सुनिश्चित किया

ग्लास्गो, एजेंसी। लवलीना बोरगोहेन ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पहला पदक सुनिश्चित कर दिया जब उन्हें महिलाओं के 75 किलो वर्ग के सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिससे कम से कम कांस्य पक्का हो गया। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को पांच मुक्केबाजों के ड्रॉ में पहले दौर में बाय मिला जिससे अंतिम चार में उनका प्रवेश तय हो गया। लवलीना का सामना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में तुवालू की टीकेबीपी ताफाकी से होगा। यह 28 वर्ष की लवलीना का राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक है। वह ओलंपिक, विश्व चैम्पियनशिप, एशियाई खेल और एशियाई चैम्पियनशिप पदक जीत चुकी हैं।

कुलदीप यादव ने यॉर्कशर से अनुबंध किया

पांच एकदिवसीय कप और तीन लाल गेंद के मैच खेलेंगे

- कुलदीप 'मेट्रो बैंक एकदिवसीय कप' के पांच मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे

लीड्स, एजेंसी।

भारत की एकादश में बार-बार अनदेखी किए जाने के बाद बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने शीर्ष इंग्लिश काउंटी टीम यॉर्कशर के लिए बुधवार को मौजूदा सत्र में आठ मैच खेलने का करार किया।

यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने अपनी वेबसाइट पर घोषणा की, ''यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्पिनर कुलदीप यादव के साथ विदेशी खिलाड़ी के तौर पर करार करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप 'मेट्रो बैंक एकदिवसीय कप' के पांच मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे और फिर सितंबर में 'रोथसे काउंटी चैंपियनशिप' के आखिरी चार में से तीन मैच खेलने के लिए हैडिंग्ले लौटेंगे।'' कुलदीप शुक्रवार को नीथ में ग्लेमोर्गन के खिलाफ होने वाले 50 ओवर के मैच के लिए टीम में शामिल हो रहे हैं।

यॉर्कशर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, ''मैं यॉर्कशर से जुड़कर बहुत खुश हूं और इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशर जैसे शानदार इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।'' उन्होंने कहा, ''मुझे हमेशा से इंग्लैंड के हालात में खेलने की चुनौती पसंद रही है और प्रबंधन से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं हैडिंग्ले में टीम के लिए अच्छा योगदान देने को लेकर उत्सुक हूं।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुलदीप की काबिलियत पर अधिक भरोसा नहीं दिखाया लेकिन यॉर्कशर प्रबंधन का मानना है कि इंग्लैंड की गर्म और सूखी गर्मियों में कुलदीप टीम के लिए फायदेमंद साबित होंगे।

आत्मविश्वास जगाने वाली शिक्षा प्रणाली की जरूरत: अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने नीट परीक्षा में अनियमितताओं के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच बृहस्पतिवार को कहा कि देश को एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है जो 'आत्मविश्वास जगाए।

बिंद्रा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन पर प्रत्यक्ष टिप्पणी करने से परहेज किया, लेकिन एक पारदर्शी और योग्यता-आधारित प्रणाली की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ''मैंने कभी खुद को राजनीतिक व्यक्ति नहीं माना। लेकिन मेरा मानना है कि चाहे फिर हम किसी भी पक्ष के हों, कुछ मुद्दे हम सभी से जुड़े हुए हैं। शिक्षा उनमें से एक है। बिंद्रा ने कहा, किसी राष्ट्र का आकलन केवल उसकी अर्थव्यवस्था या उसकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इससे होती है कि उसने अपने युवाओं के लिए कितने अवसर सृजित किए। एक ऐसी शिक्षा प्रणाली किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत में से एक है, जो आत्मविश्वास जगाती है, योग्यता को सम्मानित करती है और जिज्ञासा को बढ़ाती है।

उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि हम सभी एकजुट होकर अपनी शिक्षा प्रणाली को लगातार मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे, ताकि वह भावी पीढ़ियों के लिए अवसर, नवाचार और आशा का स्रोत बनी रहे। इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कॉकरोच जनता पार्टी कर रही है।

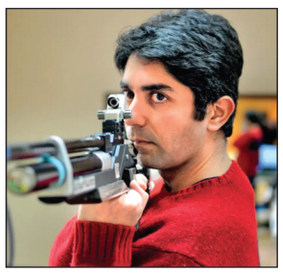

इंटर मियामी क्लब से जुड़े ब्राजील के मिडफील्डर कैसेमिरो

- इंटर मियामी ने कैसेमिरो के साथ एमएलएस सीजन 2027 तक का करार किया

मियामी, एजेंसी।

मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब इंटर मियामी ने ब्राजील फुटबॉल टीम के मिडफील्डर कैसेमिरो को अपनी टीम में शामिल करने का ऐलान किया है। कैसेमिरो हाल ही में इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड से अलग हुए थे। हालांकि, इस ट्रांसफर के सामने आने के बाद एमएलएस ने इससे जुड़ी कुछ कथित अनियमितताओं की जांच भी शुरू कर दी है।

इंटर मियामी ने कैसेमिरो के साथ एमएलएस सीजन 2027 तक का करार किया है। इस कॉन्ट्रैक्ट को जून 2029 तक बढ़ाने का विकल्प भी रखा गया है। क्लब ने इस ट्रांसफर को पूरा करने के लिए एलए गैलेक्सी से कैसेमिरो के 'डिस्कवरी राइट्स' भी हासिल किए हैं।

एमएलएस में एक खास नियम होता है, जिसे 'डिस्कवरी लिस्ट' कहा जाता है। इसके तहत हर क्लब पांच खिलाड़ियों के नाम अपनी सूची में रख सकता है। अगर उन खिलाड़ियों में से कोई एमएलएस में आना चाहता है, तो उस क्लब को उसे साइन करने का पहला अधिकार मिलता है। कैसेमिरो के मामले में यह अधिकार एलए गैलेक्सी के पास था। इसी वजह से इंटर मियामी को पहले गैलेक्सी के साथ समझौता करना पड़ा, उसके बाद ही यह ट्रांसफर पूरा हो सका।

34 वर्षीय कैसेमिरो इंटर मियामी की मजबूत मिडफील्ड का हिस्सा बनेंगे। टीम में पहले से अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल मौजूद हैं। इसके अलावा, लियोनेल मेस्सी और जर्मन बर्टेराम जैसे खिलाड़ी भी क्लब के लिए खेल रहे हैं। ऐसे में कैसेमिरो के आने से इंटर मियामी की टीम और भी मजबूत नजर आ रही है।

कैसेमिरो ने जनवरी में ही साफ कर दिया था कि वह और मैनचेस्टर यूनाइटेड आपसी सहमति से अलग हो रहे हैं। इसके बाद वह फ्री एजेंट बन गए थे और अब उन्होंने इंटर मियामी के साथ अपने नए सफर की शुरुआत की है। ब्राजील का यह स्टार खिलाड़ी पिछले 14 वर्षों से यूरोप के बड़े क्लबों की ओर से खेल रहा है। उन्होंने रियल मैड्रिड, एफसी पोर्टो और मैनचेस्टर यूनाइटेड जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व किया। अपने करियर की शुरुआत उन्होंने ब्राजील के साओ पाउलो एफसी से की थी। कैसेमिरो का करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने क्लब स्तर पर 21 ट्रॉफियां जीती हैं।

इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया, सुआरेज बने जीत के नायक

मियामी, एजेंसी।

इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की। 26वें मिनट में शिकागो के डिफेंडर जैक इलियट ने बॉक्स के अंदर रुइज को फाउल कर दिया, जिसके बाद इंटर मियामी को पेनल्टी मिली। इस मौके को सुआरेज ने बेहतरीन तरीके से भुनाया और गोल दागते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह इस रेगुलर सीजन में उनका सातवां गोल रहा।

दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और 51वें मिनट में सुआरेज ने अपना दूसरा गोल किया। इस गोल में जर्मन बर्टेराम की भी अहम भूमिका रही। बर्टेराम ने शानदार बैकहील असिस्ट देकर सुआरेज के लिए बेहतरीन मौका बनाया।

ट्रेंटब्रिज में खेला जाएगा 2027 की एशेज का पहला मैच

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2027 में होने वाली एशेज श्रृंखला का पहला मैच नॉटिंघम स्थित ट्रेंटब्रिज में खेला जाएगा। इस श्रृंखला के लिए पांचो मैच स्थल का चयन पहले ही कर लिया गया था जिनमें पहली बार साउथम्प्टन का रोज़ बाउल भी शामिल था। इस श्रृंखला का विस्तृत कार्यक्रम बृहस्पतिवार को जारी किया गया।

पहला टेस्ट 18 से 22 जून तक खेला जाना है। इंग्लैंड ने ट्रेंटब्रिज में खेले गए पिछले तीन एशेज टेस्ट जीते हैं। इनमें 2015 की जीत भी शामिल है जब ऑस्ट्रेलिया की टीम 60 रन पर ढेर हो गई थी। इन दोनों टीम के बीच दूसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स में 30 जून से चार जुलाई तक खेला जाएगा।

यूपी टी20 लीग | **डॉ. संजय कपूर बोले-युवा खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर**

यूपी टी20 लीग का चौथा सीजन: आगरा में होगा ऑक्शन

लखनऊ, एजेंसी।

यूपी टी20 लीग के चौथे संस्करण का आगाज 14 अगस्त से होगा। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में काशी रुद्रस की भिड़ंत डिफेंडिंग चैंपियन मेरठ मावेरिक्स से होगी। 24 दिन तक चलने वाला यह टूर्नामेंट रोमांच से भरपूर होने की उम्मीद है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले उत्तर प्रदेश के दो बड़े शहर लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे।

लीग के इतिहास में यह पहली बार होगा, जब यूपी टी20 लीग दो अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाएगा। इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए यूपी टी20 लीग के गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने कहा, "यूपी टी20 लीग अब अपने चौथे सीजन में आ गया है और यह साल खास है क्योंकि यह टूर्नामेंट दो बड़े शहरों, लखनऊ और कानपुर में आयोजित किया जाएगा। हम एक जबरदस्त सीजन की उम्मीद कर रहे हैं, जो उत्तर प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा क्रिकेट त्योहार होगा। यूपी टी20 लीग महज एक लीग नहीं है। यह क्रिकेट, युवाओं, टैलेंट और उत्तर प्रदेश की स्पिरिट का सेलिब्रेशन है।

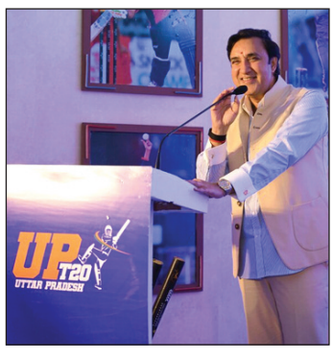

उन्होंने कहा, "दो शहरों में मैच आयोजित करना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हालांकि इसमें लॉजिस्टिक चुनौतियां हैं, लेकिन इससे हम लीग को लोगों के करीब ले जा सकते हैं और पूरे राज्य में इसकी पहुंच बढ़ा सकते हैं। इस साल, मैच लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे, जबकि ऑक्शन आगरा में होगा, जिसका मतलब है कि यूपी टी20 लीग पहले ही उत्तर प्रदेश के तीन अहम शहरों से जुड़ चुका है। हमारा विजन है कि हम आगे बढ़ते रहें और आने वाले वर्षों में लीग को और भी शहरों तक ले जाएं, ठीक वैसे ही जैसे आईपीएल ने किया है।

डॉ. कपूर ने लीग को और सपोर्ट करते हुए कहा, "यूपी टी20 लीग तेजी से आईपीएल के बाद देश की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग में से एक बन रही है और हम चाहते हैं कि यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बने जो उत्तर प्रदेश के जबरदस्त टैलेंट को पूरी दुनिया के सामने लाए। यह लीग युवा क्रिकेटरों के लिए भी एक बड़ा मौका है। यूपी टी20 लीग का ब्रॉडकास्ट 200 से अधिक देशों में होगा, जिससे खिलाड़ियों को बेमिसाल दृश्यता मिलेगी। जब स्काउट्स, फ्रेंचाइजी और दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमी टैलेंट को देखते हैं तो मौके अपने आप मिलते हैं। इसीलिए यह लीग इतनी जरूरी है। यह युवा खिलाड़ियों को एक बड़े स्टेज पर खुद को साबित करने का मौका देती है।"

उत्तर प्रदेश के कई खिलाड़ी यूपी टी20 लीग से आगे बढ़कर भारतीय टीम तक पहुंचे हैं और उन्हें आईपीएल में खेलने का मौका भी मिला है। डॉ. संजय कपूर का कहना है कि यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच है। यहां उन्हें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने, उनके साथ खेलने और उनके अनुभवों से सीखने का मौका मिलता है। इससे युवा क्रिकेटरों को अपने खेल को बेहतर बनाने और आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

उन्होंने आगे कहा, "जो क्रिकेटर बनना चाहते हैं, उनके लिए सीनियर खिलाड़ियों, आईपीएल स्टार्स और भारत के इंटरनेशनल खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करना सीखने का एक बहुत कीमती अनुभव है। क्रिकेट सिर्फ किताबों या कोचिंग सेशन से नहीं सीखा जाता; यह बातचीत, ट्रैवल, निरीक्षण और उन अनुभवी खिलाड़ियों के साथ समय बिताकर सीखा जाता है, जिन्होंने सबसे ऊंचे लेवल पर प्रदर्शन किया है। यूपी टी20 लीग वह माहौल देता है, और यह कई युवाओं के करियर को बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

राघव जुयाल संग डेटिंग की अफवाहों पर शहनाज गिल ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में शहनाज गिल और राघव जुयाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब शहनाज ने इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू के दौरान जब शहनाज से राघव जुयाल के साथ उनके रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर बात करने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'प्लीज मुझसे पर्सनल सवाल मत पूछिए।' शहनाज ने राघव को अपना बेहद करीबी और अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने अफेयर की खबरों पर ध्यान न देते हुए बातचीत का रुख राघव के काम की तरफ मोड़ दिया।

फैंस से की फिल्म देखने की अपील

शहनाज ने राघव की आने वाली फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को सपोर्ट करने की अपील की है। उन्होंने राघव की तारीफ करते हुए कहा, राघव पहली बार किसी फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता नजर आने वाले हैं। उनका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है, उन्होंने आज जो भी मुकाम हासिल किया है वह सिर्फ अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर किया है। इसलिए, सभी लोग सिनेमाघरों में जाकर उनकी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को जरूर देखें और उन्हें पूरा सपोर्ट करें।

कब रिलीज होगी 'भाई तेरा स्टार है'

फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 30 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी. अग्रवाल ने किया है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में राघव जुयाल मुख्य भूमिका (अजय सिंह) में नजर आएंगे, साथ ही संजय कपूर और निहारिका एनएम भी प्रमुख किरदारों में हैं।

दर्शकों से मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल-4' और 'इक्का' की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया।

अभिनेत्री संजीदा शेख ने लिखा, किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई 'धमाल 4' और 'इक्का' एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया।'

फिल्म 'धमाल-4' में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह 'भाभी' (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इक्का' एक हाई स्टेक्स लीगल थ्रिलर में संजीदा शेख ने 'गौरी' (शौर्यमान की पत्नी) की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके किरदार को कहानी के अनुसार अहम, लेकिन सीमित स्क्रीन स्पेस वाला बताया गया है। 'धमाल-4' और 'इक्का' दोनों ही फिल्में 10 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज हुईं। कॉमेडी ड्रामा थिएटर में आई, जबकि एक्शन थ्रिलर का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हुआ।

प्रियंका चोपड़ा ने की राजामौली की तारीफ

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। प्रियंका ने उनकी जमकर तारीफ की है। इस फिल्म के साथ प्रियंका भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने राजामौली के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मैं इस पर (वाराणसी) लगभग 14 महीनों से काम कर रही हूं। एसएस राजामौली फिल्में बनाने में ज्यादा समय लेने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए बुलाया और यह दुनिया भर और समय के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर है। इसमें थोड़ा समय लगा है लेकिन मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं इसमें कई शानदार स्लो-मोशन जंप करती हूं।'

हाल ही में वैरायटी से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'यह उन सभी फिल्मों से अलग है, जो मैंने अब तक की हैं। हम अंटार्कटिका की यात्रा करते हैं। राजामौली जो दुनिया बनाते हैं वह बहुत भव्य होती हैं। किसी के पास भी वैसा विजन नहीं है, जैसा राजामौली के पास है। इसलिए मैं भी और देखने के लिए उत्साहित हूं।' प्रियंका ने बताया कि फिल्म साइन करने से पहले उन्होंने निर्देशक से क्या कहा था। उन्होंने कहा 'मैंने कहा, 'सुनिए, मैं इंडियन फिल्मों में वापस आ रही हूं। मुझे एक डांस सॉन्ग करना है। मतलब आपको मुझसे डांस करवाना ही होगा।'

2027 में रिलीज होगी है फिल्म

राजामौली ने हाल ही में बताया कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे।

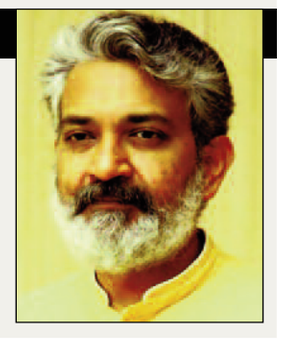

मैंने हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है जिनमें महिलाओं का किरदार प्रभावशाली हो

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए।

अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। अभिनेता अनिल कपूर ने लिखा, 'मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनमें मजबूत महिला मुख्य किरदार और उनकी आवाज हो। चाहे वर्षों पहले 'जुदाई' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों में अभिनय करना हो या 'खूबसूरत', 'वीरे दी वेडिंग' और 'क्रू' जैसी फिल्मों का निर्माण करना, मैंने हमेशा ऐसी महिला किरदारों का समर्थन किया है जो कहानी की धुरी हों। 'उन्होंने अपनी बेटियों सोनम कपूर और रिया कपूर के साथ-साथ अपनी पत्नी को भी अपनी इस सोच की प्रेरणा बताया।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है।

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। फिल्म इवेंट्स में शामिल होते हैं और साथ मिलकर सफलता का जश्न मनाते हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह का सपोर्ट सभी के लिए एक खुशहाल और अच्छा माहौल बनाता है।

बोलीं- 'हिंदी इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि उन्होंने क्या सीखा? उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सच में पीछे हैं। मेरी ट्रेनिंग तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हुई है और वह इंडस्ट्री बहुत एकजुट है। मैंने कई बार कहा है कि जब मैं बॉम्बे आई, तो मुझे अचानक एहसास हुआ कि हर कोई इतना कॉम्पिटिटिव क्यों है? वहां भी कॉम्पिटिशन है, लेकिन लोग एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने आगे कहा, 'हम एक-दूसरे की फिल्म की स्क्रीनिंग या प्रीमियर में जाते थे। उसके बारे में बात करते थे या सक्सेस पार्टी में जश्न मनाते थे। ऐसा नहीं था कि कौन जा रहा है, इसलिए मैं भी जाऊंगी। हर कोई बस एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहता था। मुझे लगता है कि अगर हम मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में भी वैसी ही भावना ले आएं, तो हम सच में बहुत मजबूत बन सकते हैं। मुझे लगता है कि असुरक्षा की भावना ऐसा नहीं करने देतीं और यह खुद पर काम करने वाली बात है। रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि अगर लोग एक-दूसरे का साथ दें और सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री और भी मजबूत हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें रकुल को आखिरी बार 'पति पत्नी और वो 2' में देखा गया था। इसमें आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान भी अहम रोल में नजर आए।

सही मौके पर सही जगह होने के चलते मिला करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने अपने अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उन्हें पहचान 'मिर्जापुर' सीरीज के उनके 'बीना त्रिपाठी' के किरदार से ही मिली। अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें एक बार फिर रसिका बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आएंगी। लेकिन हाल ही में रसिका ने बताया कि बीना का किरदार उन्हें किस्मत से मिल गया। सही मौके पर सही जगह होने के चलते उन्हें अपने करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार मिला।

बातचीत में रसिका दुग्गल ने 'मिर्जापुर' के अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'मिर्जापुर' लगभग नहीं हो पाता। हालांकि वह इसके क्रिएटर करण अंशुमन को जानती थीं, लेकिन उनसे काम मांगने में उन्हें हिचकिचाहट हो रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मिर्जापुर के लिए मैं करण अंशुमन को जानती थी, जो सीजन 1 के क्रिएटर और डायरेक्टर में से एक थे। किसी ने मुझे बताया कि वह यह शो बना रहे हैं। मैंने कहा, 'अगर करण मुझे कास्ट करना चाहते, तो वह मुझे बुलाते।' मेरी दोस्त ने कहा, 'तुम उन्हें याद दिलाने के लिए एक मैसेज क्यों नहीं भेजतीं?' मैंने कहा, 'मैं उनके लिए स्थिति अजीब नहीं बनाना चाहती। दोस्तों का मैसेज आना कि 'रोल दे दो,' ऐसी स्थिति है जिससे आप आसानी से निकल नहीं सकते।' लेकिन फिर मैंने कहा ठीक है, मैं उन्हें मैसेज करूंगी।

किरदार को लेकर नर्वस थीं

उस फैसले ने सब कुछ बदल दिया। रासिका ने आगे कहा कि मुझे एक मिनट के अंदर ही जवाब मिला, 'बिल्कुल, चलो इस बारे में मिलते हैं।' जब मैं उनसे मिली, तो उन्होंने कहा, 'मैंने तुमसे इसलिए नहीं पूछा क्योंकि तुम 'मंटो' में नवाज के अपोजिट कास्ट हुई थीं। मुझे लगा कि शायद तुम स्ट्रीमिंग शो नहीं करना चाहतीं। शायद तुम सिर्फ फिल्में करना चाहती हो।' मैंने कहा, 'क्या आप पागल हैं? बिल्कुल, मैं यह जरूर करूंगी।' जब मैंने वह हिस्सा पढ़ा, तो मुझे लगा, 'वाह, शुक्रिया।' मैं लगभग डर ही गई थी। यह मेरे लुक से इतना अलग था कि मुझे लगा कि कहीं ये लोग बीच में अपना मन न बदल लें। कभी-कभी जब मैं रीडिंग के लिए ऑफिस जाती थी, तो सोचती थी, 'शिट, उम्मीद है उन्हें ऐसा न लगे कि मैं यह नहीं कर पाऊंगी।' मैं बहुत नर्वस थी कि क्या मैं इसे ठीक से निभा पाऊंगी या नहीं। सोचिए, बस एक मैसेज। अगर मैंने वह मैसेज न भेजा होता, तो क्या होता? 'मिर्जापुर' की सफलता ने बीना त्रिपाठी को इंडियन स्ट्रीमिंग के सबसे यादगार किरदारों में से एक बना दिया।

किस्मत से मिला 'दिल्ली क्राइम' में रोल

एक्ट्रेस ने 'दिल्ली क्राइम' में अपनी कास्टिंग को लेकर भी बताया। उन्होंने बताया कि कैसे किस्मत से उन्हें यह रोल मिला। एक्ट्रेस ने कहा कि इसी तरह 'दिल्ली क्राइम' के मामले में भी सही समय पर सही जगह पर होना काम आया। मैं 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रही थी, जिसमें मेरा छोटा सा रोल था। मैं रिची मेहता को जानती थी क्योंकि हम फिल्म फेस्टिवल में मिल चुके थे, जब मैं 'किस्सा' के साथ ट्रैवल कर रही थी। लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह कुछ नया बना रहे हैं और मैंने उनसे संपर्क भी नहीं किया था। इत्तेफाक से रिची उसी लोकेशन पर आए जहां हम 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रहे थे, ताकि वह अपने किसी दूसरे शो के लिए लोकेशन का जायजा कर सकें। मजेदार बात यह है कि वह शो तो नहीं बना, लेकिन 'दिल्ली क्राइम' बन गया। उन्होंने सोचा, 'अरे, मैं अभी रसिका से मिला। वह इस रोल के लिए बहुत अच्छी रहेगी।' एक्ट्रेस का मानना है कि टैलेंट इस पूरी प्रक्रिया का बस एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह किस्मत की बात है। सही जगह, सही समय। यह सब उसी पर निर्भर करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401